वर्ष : 16 ❖ अंक : 124 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 11 दिसम्बर 2021

भारत की टीकाकरण नीति ने लाखों जिंदगियां बचाई : राष्ट्रपति कोविंद 3

गोवा में कांग्रेस सरकार बनी तो महिलाओं को 30 फीसदी आरक्षण : प्रियंका 8

किसानों के हित में हों अनुसंधान कार्य : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 दिसम्बर । राज्य अनुसंधान क्षेत्र में कार्यरत आईसीएआर और जीबी पंत नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन सेंटर, बोटनिकल सर्वे आफ इंडिया जैसे संस्थानों से कृषि तथा कृषकों के हित में अनुसंधान कार्य करने के लिए राज्य कृषि एवं बागवानी विभाग के मंत्री लोकनाथ शर्मा ने आग्रह किया।

मंत्री ने अनुसंधान संस्थानों के सदस्यों से कहा कि उत्तर जिले के लाचुंग में एक समय भारी मात्रा में सेब का उत्पादन होता था। इसके साथ ही राज्य में बड़ी इलायची की खेती भी विभिन्न रोगों से ग्रसित है। ऐसे उत्पादों को पुनर्जीवित करने के लिए अनुसंधान केंद्रों को काम करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि संस्थानों के काम से किसानों को फायदा होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत इन संस्थानों को अपने कार्य केवल कार्यालय स्तर पर ही सीमित न रखकर राज्य के किसान तक पहुंचकर उनको लाभान्वित करना आवश्यक है। मंत्री शर्मा आज राजधानी गंगटोक के एमजी मार्ग में जीबी पंत नेशनल इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित प्रदर्शनी तथा बिक्री कार्यक्रम पर यह बात कही।

कार्यक्रम के अवसर मंत्री शर्मा ने यहां बिक्री तथा प्रदर्शनी में लगी दुकानों का भी भ्रमण किया। भ्रमण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम दैनिक रूप से खेती से जुड़े किसानों को समेटकर आगे लाने की एक पहल है। इस एक दिवसीय बिक्री तथा प्रदर्शनी कार्यक्रम में विभिन्न पहाड़ी जड़-बूटी, अंगोरा प्रजाति खरगोश पालक और उनके द्वारा उत्पादित विभिन्न सामग्री, याक पालक याक की बाल से निर्मित विभिन्न सामग्री, और बांस के द्वारा निर्मित हस्तकला से संबंधित सामग्री प्रदर्शन के लिए रखा गया था।

मंत्री शर्मा ने बताया कि इस प्रदर्शन से किसानों को अपने उत्पादन बाजार में बिक्री करने का मंच मिला है।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य में बांस की खेती तथा इसके उत्पादों को व्यावसायिक रूप में ग्रहण किया जा रहा है। इस क्षेत्र में राज्य सरकार भी सहयोग कर रही है। राज्य में आगामी 1 जनवरी से प्लास्टिक बोतल बंद पानी के प्रयोग और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लग जाएगा। इसके विकल्प में बांस के द्वारा निर्मित वाटर केन बाजार में उतर रहे हैं।

इस संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मंत्रीशर्मा ने कहा कि राज्य सरकार इस विषय में सोच रही है। राज्य में केंद्र सरकार के बेंबो मिशन के तहत लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर राज्य सरकार गंभीर है। मंत्री शर्मा ने इस कार्यक्रम आयोजन के लिए जीबी पंत संस्थान को धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर पश्चिम सिक्किम के योक्सम स्थित कंचनजंगा कंजर्वेशन कमेटी, सेवालुंगनर्सरी, क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बोटेनिकल सर्वे आफ इंडिया, उत्तर सिक्किम के अपर जंगू स्थित आमू साकुंग एसएचजी, मुतांची लुम अल सेजुंग, राज्य पशुपालन विभाग के साथ ही किसानों ने भाग लिया।

सिक्किम में एक्वा फिनिक्स फार्मिंग मॉडल हो रहा तैयार

कृषि तथा बागवानी मंत्री लोकनाथ शर्मा ने दी जानकारी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 दिसम्बर । राज्य के शहरी क्षेत्र में एक्वा फिनिक्स फार्मिंग मॉडल के लिए राज्य सरकार तैयारी कर रही है। शहरी क्षेत्र के नागरिकों को जैविक सब्जी उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार इस मॉडल को अपनाने जा रही है। यह जानकारी कृषि तथा बागवानी एवं पशु पालन विभाग के मंत्री लोकनाथ शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि एक्वा फिनिक फार्मिंग शहर में बिल्डिंग की छत पर किया जा सकता है। इसमें फायदा यह है कि लोग अपने सीमेंट की छत पर टंकी का निर्माण कर उसमें मछली पालन और इसके ऊपर ग्रीन हाउस निर्माण कर एक्वा फिनिक्स फार्मिंग कर सकते हैं। इस फार्मिंग में पत्तेदार सब्जियां उत्पादित की जा सकती है।

आज पूर्व जिला के पाकिम सामुदायिक भवन में आयोजित कृषि जागरुकता एवं औजार वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक्वाफोनिक्स मॉडल के तहत उत्पादित सब्जियां पूर्ण रूप से जैविक है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार से किसानों को सहयोग मिलेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य राज्य को खाद्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। सरकार ने किसानों के लिए मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर योजना के तहत राज्य में उत्पादित जैविक उत्पादन इलायची पर प्रति किलो एक सौ रुपये, अदरख पर 20 रुपये, मूली पर 07 रुपये, फूलगोभी पर 07 रुपये, पत्ता गोभी पर 05 रुपये, संतरा पर 20 रुपये, हल्दी पर पर 10 रुपये, किवी फल पर 25 रुपये, दाल पर 25 रुपये प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जा रहा है। किसानों को उक्त उत्पादन राज्य सरकार के द्वारा चिन्हित कोऑपरेटिव और स्वयं सहायता समूह के माध्यम से बेचना होगा।

मंत्री शर्मा ने जानकारी दी है कि किसानों को सरकार के द्वारा चिन्हित संस्थान पर खुद को पंजीकृत करना चाहिए। जिसमें बेचने वाली संस्था को भी 2 प्रतिशत फायदा मिलेगा। मंत्री शर्मा ने आगे कहा कि किसानों को राज्य के खाद्य पदार्थ डिमांड को पूरा करने के लिए काम करना होगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक साल भारी मात्रा में राज्य बाहर से मांस लाना पड़ रहा है। इसमें 110 करोड़ रुपये की मुर्गी, 60 करोड़ रुपये के सूअर का मांस और 26 करोड़ रुपये की मछली प्रत्येक साल राज्य में आ रही है। इन डिमांड को अगर राज्य में ही पूरा किया गया तो सिक्किम का राजस्व बाहर नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि अगर राज्य के नागरिक खुद उत्पादन करेंगे तो राज्य में गैर सिक्किमी का प्रवेश नहीं बढ़ेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि राज्य का अर्थतंत्र मजबूत करना हो तो खुद काम करना चाहिए।

दक्षिण जिला कारागार के और 13 कैदी कोरोना संक्रमित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 दिसम्बर । दक्षिण जिला कारागार, नामची दूसरी बार कोविड संक्रमण की चपेट में आया है और अब यहां के 13 कैदी कोरोना संक्रमित मिले हैं। राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, एक साल में यह दूसरी बार है जब जिला के जेल में 13 नए संक्रमण का मामला सामने आया है।

एक हफ्ते पहले जेल में 60 कैदी और पांच अधिकारियों समेत 64 कैदी संक्रमित पाए थे। अब यहां फिर से नए संक्रमण का मामला सामने आया है। आज राज्य में मिले नए 21 संक्रमणों में से 13 दक्षिण जिले के नामची जिला जेल से, पांच पूर्वी जिले से और तीन पश्चिम जिले से आए हैं, जबकि पिछले एक पखवाड़े में किसी की जान नहीं गई है।

जीएमसी में गो इलेक्ट्रिक पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 दिसम्बर । गंगटोक नगर पालिका (जीएमसी) के सम्मेलन कक्ष में आज इलेक्ट्रिक वेहिकल (ईवी) चार्जिंग स्टेशन गो इलेक्ट्रिक पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्य विद्युत विभाग के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जीएमसी मेयर नील बहादुर छेत्री, उप मेयर छिरिंग पाल्देन भूटिया, जीएमसी आयुक्त एचके छेत्री के साथ ही नगर पार्षद, विद्युत विभाग और यातायात विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीएमसी के डीई देशपथ लामा ने विद्युत बचत और ईलेक्ट्रिक वेहिकल के लिए चार्जिंग स्टेशन पर जीएमसी की भूमिका के बारे में अवगत कराया। अपने संबोधन में यातायात विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता सोनाम सांगदर्पा और यातायात विभाग के एमवीआई रितेश दाहाल ने विभाग के द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रोत्साहन सहायता के बारे में जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि राज्य में ईलेक्ट्रिक वेहिकल के लिए जल्द ही 29 चार्जिंग पूर्वाधार निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता तथा नोडल अधिकारी पेंबा लेख्रचा ने बताया कि इलेक्ट्रिक वेहिकल के लिए पार्किंग निःशुल्क प्रदान की जाएगी जो जीएमसी के सहयोग से बनाया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि नई पहल को सुविधाजनक बनाने के लिए 40 केवी के साथ बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा।

अपने संबोधन में (सीईएनईआरजीआईएसटी) के महाप्रबंधक निरंजन बोस ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा दक्षता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इलेक्ट्रिक वेहिकल के द्वारा पर्यावरण को पहुंचने वाले फायदा के बारे भी अवगत कराया। जागरुकता कार्यक्रम का ब्यूरो ऑफ एनर्जी इफिसिएन्सी, विद्युत मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग में किया गया था।

प्लास्टिक बोतल पर प्रतिबंध पर सरकार ने मांगे सुझाव

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 दिसम्बर । राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (पीएस गोले) के आगामी एक जनवरी से प्लास्टिक बोतल में बंद पानी के प्रयोग और बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा पर राज्य वन विभाग ने एक ड्राफ्ट अधिसूचना जारी कर नागरिकों से सुझाव मांगा है।

मुख्यमंत्री ने 02 अक्टूबर 2021 को गांधी जयंती के अवसर पर इसकी घोषणा की थी। इससे लगता है कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर है। प्लास्टिक बोतल पानी के प्रयोग से पर्यावरण में व्यापक नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। पानी बोतल के प्रबंधन में ध्यान में रखकर राज्य सरकार के वन विभाग ने अपनी पहल शुरू की है। प्लास्टिक बोतल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के संबंध में आज वन विभाग के द्वारा जारी ड्राफ्ट अधिसूचना में नागरिकों को सुझाव, सलाह मांगा है।

वन विभाग द्वारा तैयार, अधिसूचना को राज्य वन विभाग अधिकृत वेबसाइट, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइट और सिक्किम इनविससेंटर की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। ड्राफ्ट अधिसूचना के मुताबिक राज्य के नागरिक सरकार के फैसले प्रति आगामी 24 दिसंबर तक अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव और विरोध दर्ज करा सकते हैं। वन विभाग ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 5 के तहत राज्य में प्लास्टिक बोतल के प्रयोग से होने वाली पर्यावरण क्षति को कम करने के लिए इसे बंद करने का निर्णय लिया है।

सामदुर के निवासियों को राहत

सेना के बैरक से होतु हुए आने-जाने की मिली अनुमति

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 दिसम्बर । सिक्किम उच्च न्यायालय के आदेश से सामदुर के निवासियों को बड़ी राहत मिली है और वे अब बिना किसी रोकटोक के सेना की बैरक से होते हुए आना जाना कर सकते हैं। अदालत ने सदियों से नागरिकों द्वारा इस्तेमाल की जानी वली सड़क को खोलने का आदेश जारी किया है।

कल सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस मीनाक्षी मदन राय की खंडपीठ ने एक जनहित याचिका पर आदेश पारित करते हुए स्थानीय लोगों को सेना की बैरक से होते हुए आने जाने के लिए की सुविधा देने का आदेश दिया है। स्थानीय लोग अब बिना किसी बाधा के इस मार्ग से गुजर सकेंगे।

अदालत ने फैसला में कहा कि भारतीय सेना द्वारा दायर हलफनामे में उल्लिखित 600 वर्ग मीटर लंबी सड़क का स्थानीय लोगों को निर्बाध उपभोग करने का अधिकार है और भारतीय सेना को सड़क में बाधा डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। स्थानीय लोगों को क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के लिए भारतीय सेना ने 2019 में अपने नियंत्रण में सेना के बैरक पर कांटेदार तार की बाड़ लगा दी थी।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सेना सड़क के दस से पंद्रह फीट उत्तर में कांटेदार तार की बाड़ को स्थानांतरित कर सकती है, ताकि समदुर के स्थानीय लोग सेना के हलफनामे में उल्लिखित ख्रवाइंट ई और प्वाइंट एफ के बीच 600 वर्ग मीटर के रोड का उपयोग कर सकें।

आदेश जारी होने के एक महीने के भीतर सेना को कांटेदार तार की बाड़ को हटाना होगा। इसमें कहा गय है कि अगर देर भी होती है तो यह देरी छह सप्ताह से अधिक नहीं होनी चाहिए। पीठ ने आगे निर्देश दिया कि अदालत के आदेश की प्रमाणित प्रति प्रतिवादी जीओसी, 17 माउंटेन डिवीजन और भारतीय सेना, सिक्किम सरकार के मुख्य सचिव और पूर्व जिला मजिस्ट्रेट को उपलब्ध कराई जाए।

पत्रकारों को धमकाने के लिए ना हो ताकत का इस्तेमाल, ममता सरकार से एससी

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। देश की सबसे बड़ी अदालत ने कहा है कि राज्य को अपनी ताकत का इस्तेमाल किसी राजनीतिक विचारधारा या पत्रकारों को धमकाने के लिए नहीं करना चाहिए। अदालत ने कहा कि राजनीतिक वर्ग को अपनी बात रखते वक्त आत्ममंथन करना चाहिए कि वो क्या कह रहे हैं। आज के ट्विटर युग में उन्हें और भी ज्यादा जिम्मेदार होना चाहिए। जस्टिस एस के कॉल और एम एम सुंदरेश की खंडपीठ ने एक न्यूज वेब पोर्टल के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। यह मामला पश्चिम बंगाल में छपे एक आर्टिकल से जुड़ा हुआ है।

अदालत ने कहा कि यह देश अपनी विभिन्नता पर गर्व करता है, यहां अलग-अलग विचारधारा और सोच हो सकती है जिसमें राजनीतिक विचारधारा भी शामिल है। यह प्रजातंत्र का एक अहम तत्व है। 'राज्य की ताकतों का इस्तेमाल कभी भी राजनीतिक विचारों या पत्रकारों को डराने के लिए नहीं करना चाहिए जो सार्वजनिक डोमेन में है, उसका परिणाम पत्रकारों को भुगतना पड़ता है।' अदालत ने यह भी कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि एक पत्रकार किसी मामले में किस तरह रिपोर्ट करते हैं इसे लेकर वो अपनी जिम्मेदारियों से भागें।

अदालत में पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे मौजूद थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की बेंच को बताया कि राज्य सरकार ने तय किया है कि वो . की संपादक नुपुर जे शर्मा, यूट्यूबर अजीत भारती और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर को वापस लेगी। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह साफ किया कि इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि उन्हें कुछ ऐसा बोलने का अवसर मिल गया जिससे समाज में समस्या खड़ी हो जाए।

उच्चतम न्यायालय ने इससे पहले पश्चिम बंगाल में दर्ज एक नई प्राथमिकी पर आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 26 जून को पश्चिम बंगाल में याचिकाकर्ताओं के खिलाफ दर्ज तीन प्राथमिकी में आगे की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। अपने आवेदन में, शर्मा और अन्य ने कहा था कि वे पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा लगातार पीछा किये जाने और उत्पीड़न के कारण शीर्ष अदालत का रुख करने के लिए विवश हैं, जिन्होंने मीडिया रिपोर्टों को रोकने के अपने प्रयास में उनके खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज कीं।

इसमें कहा गया था कि प्राथमिकी मई 2020 के टेलीनीपारा सांप्रदायिक दंगों के बारे में ओपइंडिया डॉट कॉम में प्रकाशित मीडिया रिपोर्टों से संबंधित है और उसी समय प्राथमिकी के रूप में दर्ज की गई थी, जो रिट याचिका का विषय है। शर्मा और समाचार पोर्टल के संस्थापक और सीईओ और इसके हिंदी भाषा प्रकाशनों के संपादक सहित अन्य की मुख्य याचिका में दावा किया गया था कि पश्चिम बंगाल सरकार और उसकी ''सत्तावादी कोलकाता पुलिस'' पत्रकारों को डराने के लिए एफआईआर और ''पुलिस शक्तियों'' का दुरुपयोग कर रही है।

याचिकाकर्ताओं ने अदालत के सामने कहा था ककि पुलिस द्वारा कानून का दुरुपयोग किया गया है और यह प्राथमिकी प्रेस की स्वतंत्रता को दबाने के लिए दर्ज की गई है। याचिकाकर्ता की तरफ से यह भी कहा गया था कि पश्चिम बंगाल सरकार की आलोचना करने वाली समाचार रिपोर्टों की वजह से यह कार्रवाई की गई है।

इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए (धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 505 (सार्वजनिक शरारत के लिए प्रेरित करने वाले बयान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि समाचार रिपोर्टों को अन्य मीडिया संगठनों द्वारा समसामयिक रूप से प्रसारित किया गया था, लेकिन ऑपइंडिया के संपादकों को चुनिंदा रूप से पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा टारगेट किया गया।

बहुत कष्टदायक है कानपुर की घटना, सांसद वरुण गांधी ने यूपी पुलिस की बर्बरता पर उठाए सवाल

लखनऊ, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी ने मासूम बेटी को गोद में लिये एक व्यक्ति पर यूपी पुलिस की बर्बर लाठीचार्ज के रवैये पर सवाल उठाते हुये इसे बेहद कष्टदायक बताया है। गांधी ने शुक्रवार को कानपुर देहात क्षेत्र में एक पुलिसकर्मी द्वारा उक्त व्यक्ति पर लाठी बरसाये जाने का वीडियो साझा करते हुये ट्वीट कर पुलिस के इस रवैये पर क्षोभ व्यक्त किया। उन्होंने कहा, सशक्त कानून व्यवस्था वो है जहां कमजोर से कमजोर व्यक्ति को न्याय मिल सके। यह नहीं कि न्याय मांगने वालों को न्याय के स्थान पर इस बर्बरता का सामना करना पड़े, यह बहुत कष्टदायक है।

यूपी की कानून व्यवस्था पर पिछले कुछ समय से लगातार सवाल उठा रहे गांधी ने कहा, भयभीत समाज कानून के राज का उदाहरण नहीं है। सशक्त कानून व्यवस्था वो है जहां कानून का भय हो, पुलिस का नहीं। उल्लेखनीय है कि यह वीडियो कल से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें स्थानीय अस्पताल में उपयुक्त चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने की शिकायत करने वाले व्यक्ति पर पुलिसकर्मी ताबड़तोड़ लाठी बरसा रहा है। पीड़ित व्यक्ति हालांकि गोद में मासूम बच्ची को लिये है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय प्रशासन ने इस पर संज्ञान लेते हुये संबद्ध पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया है।

300 करोड़ रुपये से मथुरा में लगेगा ऑक्सीजन प्लांट

लखनऊ, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। यूपी में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन व लिक्विड नाइट्रोजन बनाने का ख़लांट मथुरा में लगेगा। इस परियोजना में 300 करोड़ रुपये का निवेश होगा। साथ ही हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। योगी सरकार की नई आक्सीजन उत्पादन प्रोत्साहन नीति 2021 के तहत यह पहला बड़ा निजी निवेश है। औद्योगिक विकास विभाग की उच्चस्तरीय कमेटी ने इस परियोजना को मंजूरी दे दी है। अब कैबिनेट की बैठक में कंपनी को लेटर आफ कम्फर्ट जारी करने को अपनी मंजूरी दी जाएगी।

कंपनी एयर लिक्विड नार्थ इंडिया अपना प्लांट 5.3 एकड़ जमीन पर लगाएगा। यहां लगने वाली न्यू एयर सपेरेशन यूनिट की क्षमता 132130 टन प्रति सालाना होगी। निवेशक को नीति के तहत मिलने वाली कैपिटल सब्सिडी व स्टांप ड्यूटी में छूट मिलेगी।

यूपी में अस्पतालों में आक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति के लिए छोटे बड़े 548 आक्सीजन प्लांट लग रहे हैं। इसमें 502 चालू भी हो गए हैं। योगी सरकार ने निजी क्षेत्र में आक्सीजन प्लांट के लिए नई नीति तय कर कई सहूलियतें देने का रास्ता साफ किया। इसके तहत निजी निवेशक भी आक्सीजन प्लांट लगा रहे हैं। इसके अलावा पीएम केयर फंड,सीआरसी फंड से भी प्लांट लगाए जा रहे हैं।

जनवरी के पहले सप्ताह में अयोध्या एयरपोर्ट का शिलान्यास करेंगे पीएम मोदी

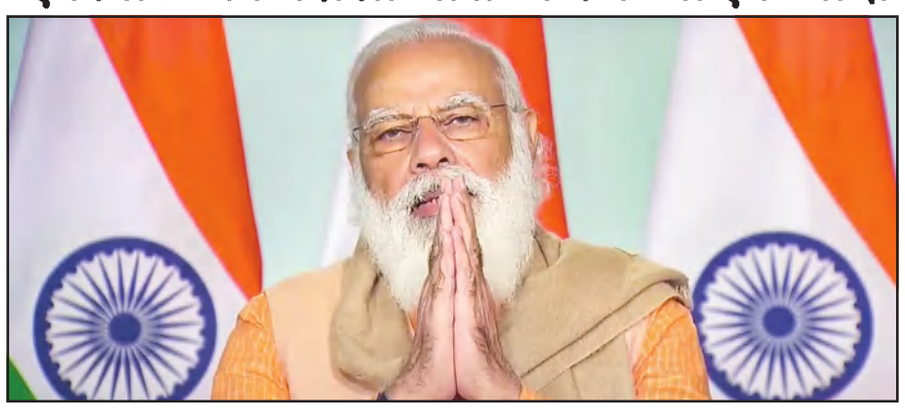

लखनऊ, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। अयोध्या में प्रस्तावित श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का शिलान्यास जनवरी के पहले सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। प्रदेश के नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक हर हाल में शिलान्यास की तैयारियां पूरी कर लेने के निर्देश दिए हैं। नंदी ने शुक्रवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय में नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों के साथ अयोध्या सहित अन्य एयरपोर्टों के निर्माण व विकास कार्य की समीक्षा की।

उन्होंने अलीगढ़, मुरादाबाद, आजमगढ़, श्रावस्ती तथा चित्रकूट एयरपोर्ट के उद्घाटन की तैयारियां भी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इन एयरपोर्ट्स का उद्घाटन अयोध्या एयरपोर्ट के शिलान्यास के साथ कराने की तैयारी है। अधिकारियों ने बताया कि अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के प्रथम चरण के लिए निर्धारित 351 एकड़ जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है।

अधिकारियों ने बताया कि कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए विमान सेवा शुरू कर दी गई है। जल्द ही कोलकाता और मुंबई के लिए भी विमान सेवा यहां से शुरू कर दी जाएगी। आरसीएस के तहत विकसित किए जा रहे चित्रकूट एयरपोर्ट के रनवे का कार्य पूरा कर दिया गया है। इस एयरपोर्ट के लाइसेंसिंग की प्रक्रिया को आगे बढ़ा दिया गया है। मंत्री नन्दी ने कानपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल बिल्डिंग का काम तेज करने के निर्देश दिए। मुरादाबाद एयरपोर्ट तैयार हो जाने की जानकारी दी गई है।

मंत्री ने जेवर एयरपोर्ट की तरह राज्य के अन्य एयरपोर्ट को पीपीपी माडल पर विकसित व संचालित करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश अधिकारियों को दिए। नागरिक उड्डयन विभाग के निदेशक कुमार हर्ष ने बताया कि सभी एयरपोर्ट का विकास कार्य अन्तिम चरण में है। कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत विमानन क्षेत्र के चार नए कोर्सेस संचालित किए जाने की कार्यवाही चल रही है, ये कोर्सेस जल्द शुरू कर दिए जाएंगे।

जौनपुर में लेखाकार की पत्नी की गैंगरेप के बाद हत्या, रेलवे ट्रैक के किनारे मिली अर्धनग्न लाश

जौनपुर, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। जौनपुर में एक बार फिर सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया है। सहायक लेखाकार की पत्नी की बदमाशों ने हत्या कर दी है। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के जगदीशपुर रेलवे क्रासिंग के पास शुक्रवार की सुबह अर्धनग्न लाश मिलने से सनसनी फैल गयी। महिला के सिर पर बड़े पत्थर से वार किया गया था। जीभ बाहर निकली थी। इसे देख लग रहा था कि गला भी दबाया गया है। शरीर पर मौजूद कपड़े पूरी तरह से फटे हुए थे। ऐसे में गैंगरेप के बाद हत्या की आशंका जतायी जा रही है।

जानकारी होते ही सैकड़ों की संख्या में लोगों ने जौनपुर वाराणसी मार्ग पर मतापुर के पास चक्काजाम कर दिया। डेढ़ घंटे चले चक्काजाम के दौरान लोग हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग करते रहे। अपर पुलिस अधीक्षक नगर डा. संजय कुमार ने भरोसा दिया कि 24 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। तब लोगों ने लाश पुलिस को कब्जे में लेने दिया।

जानकारी के अनुसार लाइनबाजार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी सहायक लेखाकार की पत्नी गुरुवार की देर शाम शौच के लिए घर से खेत की तरफ गयी थी। लगभग दो घण्टे बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजन परेशान होने लगे। परिवार के लोग टार्च लेकर गांव के लोगों के साथ खोजने के लिए घर से निकल पड़े। काफी खोजबीन की गयी लेकिन महिला का पता नहीं चल पाया। शुक्रवार की सुबह गांव के किसी व्यक्ति ने जफराबाद क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के पास रेलवे ट्रैक के किनारे घने झाड़ियों में महिला की अर्धनग्न लाश देखी। उसने गांव के लोगों को सूचना दी।

लाश मिलने की सूचना पर पूरा गांव जमा हो गया। घटना थाना प्रभारी लाइन बाजार योगेंद्र सिंह मौके पर पहुंच गए। लाश को देखा गया तो उसकी जीभ बाहर निकली थी। सिर पर भारी पत्थर से वार किया गया था। शरीर के उपरी हिस्से का कपड़ा फटा हुआ था। सीओ सिटी जितेंद्र दुबे तथा थाना प्रभारी लाइनबाजार भी पहुंच गए। डाग स्क्वायड व फोरेंसिक टीम की भी मदद घटना के खुलासे के लिए ली जा रही है।

एएसपी संजय कुमार के अनुसार गैंगरेप या दुराचार पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ हो रही है।

जफराबाद क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के पास रेलवे लाइन के समीप मिली महिला की लाश को बदमाश रेलवे ट्रैक पर रखने का प्रयास किए थे। ऐसी घटनास्थल पर चर्चा थी। रामनगर भरसड़ा रेलवे क्रासिंग पर रात को ड्यूटी पर तैनात गेटमैन ओम प्रकाश से पुलिस इस सिलसिले में बात करने का प्रयास कर रही थी लेकिन उसका मोबाइल बंद था। गांव के कुछ युवकों के मुताबिक भोर में कुछ लोग महिला की लाश रेलवे लाइन पर लिटाने जा रहे थे। इस बीच भोर में जा रही मालगाड़ी के चालक ने गाड़ी रोक दी। अब इन बातों में कितनी सत्यता है पुलिस उसके तह में जाने का प्रयास कर रही है। पुलिस की टीम रेलवे स्टेशन जफराबाद जाकर पैनल कक्ष से भोर में क्या उक्त मालगाड़ी रुकी थी कि सत्यता जांचने में जुटी रही।

महामारी का प्रारूप बदल सकता है ओमीक्रोन : डब्ल्यूएचओ

जेनेवा, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख ने कहा कि ओमीक्रोन वेरिएंट की कुछ विशेषताएं, इसके वैश्विक प्रसार और बड़ी संख्या में म्यूटेंट की क्षमता के कारण यह कोरोना के प्रारूप को बदल सकता है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ओमीक्रोन वेरिएंट अब 57 देशों में मौजूद है, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ट्रेडोस एडनॉम घेबियस ने एक प्रेस ब्रीफिंग में चेतावनी दी कि यह पिछले वेरिएंट की तुलना में अधिक तेजी से फैल सकता है।

उन्होंने कहा कि अब हम संचरण (दरों) में तेजी से वृद्धि की एक सुसंगत तस्वीर देखना शुरू कर रहे हैं, हालांकि अभी के लिए अन्य वेरिएंट के सापेक्ष वृद्धि की सटीक दर को निर्धारित करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के उभरते आंकड़े बताते हैं कि ओमीक्रॉन के साथ फिर से संक्रमण का खतरा बढ़ गया है, लेकिन मजबूत निष्कर्ष निकालने के लिए अधिक डेटा की आवश्यकता है।

डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञों ने कहा है कि हालांकि कुछ सबूत यह सुझाव दे सकते हैं कि ओमीक्रॉन पहले के डेल्टा वेरिएंट की तुलना में हल्के लक्षणों का कारण बनता है, अभी कोई अंतिम निष्कर्ष निकालने के लिए ये शुरुआती दिन हैं।

डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य आपात स्थिति कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक माइक रयान के अनुसार, हालांकि वायरस की विकासवादी प्रकृति इसे और अधिक संक्रमणीय बनाती है क्योंकि यह खुद को बदलता है। जैसा कि नवीनतम कोविड 19 वेरिएंट के अध्ययन विकसित हो रहे हैं, डब्ल्यूएचओ का कहना है कि वैश्विक महामारी विज्ञान के आंकड़ों के आने, विश्लेषण करने और फिर कोई ठोस निष्कर्ष निकालने के लिए इसे अभी भी दिनों या हफ्तों की आवश्यकता है।

डब्ल्यूएचओ की मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन के अनुसार, यह कहना अभी भी जल्दबाजी होगी कि ओमीक्रोन टीके की प्रभावशीलता में उल्लेखनीय कमी ला सकता है।

डब्ल्यूएचओ ने सभी देशों से निगरानी, परीक्षण और अनुक्रमण बढ़ाने और अद्यतन ऑनलाइन केस रिपोर्टिंग फॉर्म का उपयोग करके डब्ल्यूएचओ क्लीनिकल डेटा प्लेटफॉर्म पर अधिक डेटा जमा करने का आह्वान किया है।

पाकिस्तान में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमीक्रोन का पहला मामला सामने आया। सिंध के स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी है। प्रांतीय स्वास्थ्य विभाग की प्रवक्ता मेहर खुर्शीद ने कहा, कराची की एक महिला ओमीक्रोन से संक्रमित पाई गई है। उन्होंने कहा, महिला को इलाज के लिए आगा खान यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संक्रमित महिला ने कोराना का टीका नहीं लगवाया है और उसका हाल में यात्रा का कोई इतिहास भी नहीं है।

केएफसी इंडिया ने आईडीसीए के साथ साझेदारी की

दार्जिलिंग, 10 दिसम्बर । केएफसी इंडिया ने इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) के साथ साझेदारी की घोषणा की है। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सुमित जैन और केएफसी इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी मोक्ष चोपड़ा ने दिल्ली में आयोजित एक प्रेस वार्ता में महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज के साथ इस बारे में संयुक्त घोषणा की। 2023 में बधिरों के लिए आईसीसी क्रिकेट विश्व कप तक, इस वर्ष से शुरू होने वाले आईडीसीए के लिए ब्रांड 'प्रमुख प्रायोजक' के रूप में शामिल है।

अपने केएफसी क्षमता कार्यक्रम के साथ क्षमता के पोषण के उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए, ब्रांड भारतीय डेफ क्रिकेट संघ के साथ-साथ टूर्नामेंट आयोजित करने, दृश्यता बनाने और भाषण और श्रवण-बाधित क्रिकेटरों के लिए विकास के अवसरों की खोज करने की सुविधा प्रदान करेगा।

साझेदारी पर अपने विचार साझा करते हुए, भारतीय बधिर क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सुमित जैन ने व्यक्त किया, ड्गइंटरनेशनल डेफ क्रिकेट कौंसिल के एक सहयोगी के रूप में, हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ डेफ वर्ल्ड कप की जीत की आशा करते हैं।

श्याम स्टील का विंटर कार्निवाल

सिलीगुड़ी, 10 दिसम्बर । श्याम स्टील इंडस्ट्रीज लिमिटेड, भारत में अग्रणी टीएमटी बार निर्माताओं में से एक ने 5 दिसंबर, 2021 को सिलीगुड़ी में एक शीतकालीन कार्निवल का आयोजन किया है। कार्निवल रविवार सुबह 6:30 से 9:30 बजे तक 3 घंटे लंबा था। कार्निवल सिलीगुड़ी के दादाभाई स्पोर्टिंग क्लब मैदान में आयोजित किया गया था।

सिलीगुड़ी नगर निगम के प्रशासनिक बोर्ड के सदस्य, रंजन सरकार, स्वपन दास; श्याम स्टील के महाप्रबंधक (विपणन) बिनोद जैन; नरेश चौधरी और अजय चौधरी सहित अन्य प्रतिभागी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्निवाल में कई गतिविधियों को दिखाया गया जैसे- छोटों उम्र के लिए साइकिल चलाना, वयस्कों के लिए धीमी साइकिल चलाना, वॉकथॉन, योग आदि। इस कठिन समय में, प्रत्येक नागरिक का स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, इसे ध्यान में रखते हुए और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हरित पहल के साथ, श्याम स्टील राज्य भर में पांच स्थानों पर इस तरह के आयोजन कर रहा है। सिलीगुडी के बाद यह विंटर कार्निवाल मेदिनीपुर, बोलपुर, कृष्णानगर और चंदननगर में होगा।

बूस्टर डोज की आवश्यकता का आकलन करें स्वास्थ्य मंत्रालय और एजेंसियां

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने सिफारिश की है कि स्वास्थ्य मंत्रालय को संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर कोरोना वायरस के अलग-अलग स्वरूपों से निपटने के लिए वैक्सीन बूस्टर डोज की आवश्यकता का आकलन करना चाहिए।

कोविड-19 के नए ओमिक्रॉन स्वरूप को ध्यान में रखते हुए समिति ने सिफारिश की कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह और राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह मिलकर इस पर निर्णय लें। लोकसभा में शुक्रवार को पेश एक रिपोर्ट में कहा गया है कि समिति जानना चाहेगी कि क्या आईसीएमआर और अन्य संबंधित संस्थानों द्वारा देश में विभिन्न स्वरूपों के खिलाफ दिए जा रहे टीकों के प्रभाव के बारे में कोई शोध किया गया है।

कोविड-19 महामारी की प्रकृति और वायरस को अप्रत्याशित बताते हुए समिति ने आगाह किया कि सतर्कता और तैयारियों से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जा सकता है।

समिति ने सिफारिश की है कि गृहमंत्रालय राज्यों को सलाह दे सकता है कि वो परीक्षण सुविधा, आईसीयू बेड और मेडिकल ऑक्सीजन जैसे कोविड-19 के बुनियादी ढांचे को कम न करें, क्योंकि ये वायरस तीसरी लहर को जन्म दे सकता है।

सिलीगुड़ी में फ्राइडे रिलीज

सिलीगुड़ी, 10 दिसम्बर । अपने बॉलीवुड आकर्षण और स्वादिष्ट वैश्विक व्यंजनों का प्रसार करते हुए, फ्राइडे रिलीज ने लोगों को कोलकाता के पसंदीदा व्यंजनों जैसे फिश तवा मसाला, चिली चिकन टंगरा स्टाइल, दही के कबाब और मुर्ग दम बिरयानी का स्वाद देने के लिए सिलीगुड़ी में एक रेस्तरां खोला है। रेस्तरां होटल विनायक बिल्डिंग, हिल कार्ट रोड (सेवोके मोर) सिलीगुड़ी में स्थित है।

इसका उद्घाटन 11 दिसंबर को दोपहर 1 बजे होगा और प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात 11 बजे तक खुला रहेगा। लोग 1000 रुपये और दो के लिए जीएसटी से शुरू होने वाले इस उत्तम मेनू का आनंद ले सकते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, सुप्रतीक घोष, मैनेजिंग हेड, फ्राइडे रिलीज ने कहा, ड्गइस फ्यूज़न व्यंजन मेनू को फिल्मी माहौल के साथ पेश करने का मुख्य विचार यह है कि हम भोजन की खपत प्रक्रिया के लिए मजेदार, रंगीन उत्साह चाहते हैं। हमारे पास चुनने के लिए मेनू में कई प्रकार के वेज और नॉन-वेज व्यंजन हैं और हमें उम्मीद है कि लोग इन स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेंगे। उल्लेखनीय है, फ्राइडे रिलीज एक बॉलीवुड थीम वाला रेस्तरां है जो एक यूफोरिक माहौल के साथ है। उत्तर भारतीय और भारतीय-चीनी व्यंजनों के साथ-साथ, फ्राइडे रिलीजभारतीय स्ट्रीट फूड में भी एक ट्विस्ट के साथ माहिर है।

वीआई ने नोकिया के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की

सिलीगुड़ी, 10 दिसम्बर । वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसने सुरक्षित नेटवर्क स्लाइसिंग को सफलतापूर्वक प्रदर्शित करने के लिए नोकिया के 5जी रेडियो एक्सेस नेटवर्क और 5 कोर का उपयोग किया है। परीक्षण पश्चिमी भारत में गुजरात राज्य के गांधीनगर में आयोजित किया गया था, जहां वीआई सरकार पर 5जी परीक्षण कर रहा है। 5जी स्पेक्ट्रम आवंटित नेटवर्क स्लाइसिंग का परिनियोजन वीआई को उपयोगकर्ताओं और उद्यमों के लिए अभिनव 5जी उपयोग के मामलों को वितरित करते हुए नई राजस्व धाराओं को जल्दी से जोड़ने में सक्षम करेगा। प्रदर्शन के हिस्से के रूप में दो नेटवर्क स्लाइस बनाए गए थे। नेटवर्क स्लाइसिंग सेवा प्रदाताओं को एक ही भौतिक नेटवर्क पर कई वर्चुअल नेटवर्क बनाने की अनुमति देता है।

इन वर्चुअल नेटवर्क को विभिन्न मापदंडों के आधार पर कॉन्फ़िगर किया जा सकता है, जिसमें नेटवर्क प्रदर्शन, गति, बैंडविड्थ और विभेदित सेवाओं की पेशकश के लिए विलंबता शामिल है। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के सीटीओ जगबीर सिंह ने कहा: 'हम नेटवर्क स्लाइसिंग क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए अपने लंबे समय से साथी, नोकिया के साथ साझेदारी करके खुश हैं और 5 जी परिनियोजन पर उनके साथ काम करने के लिए तत्पर हैं।' वीआई इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2021 में 5जी पर नेटवर्क स्लाइसिंग यूज केस का प्रदर्शन करेगा। इस बारे में अधिक जानने के लिए आईएमसी के वीआई बूथ पर जाएं।

सपा सरकार में शुरू हुई पौष्टिक आहार की व्यवस्था पर भाजपा ने किया घोटाला : अखिलेश

लखनऊ, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में गरीबों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ आम बात है। उसके सबका साथ नारे में गरीब गायब हैं। इसलिए गरीबों का पेट भरने वाले अनाज पर भी डाका पड़ने लगा है। अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि सत्ता संरक्षित घोटालेबाजों ने गरीब बच्चों के निवाले को भी नहीं छोड़ा। मिड-डे-मील योजना में भ्रष्टाचार में उत्तर प्रदेश नम्बर एक पर है। बच्चों को पौष्टिक आहार देने की जो व्यवस्था समाजवादी सरकार में शुरू हुई थी भाजपा सरकार ने आते ही उसमें भी घोटाला कर दिया।

कानपुर में भीतरगांव के एकीकृत उच्च प्राथमिक विद्यालय में जहरीला मिड-डे-मील खाने से 50 बच्चों की हालत बिगड़ गई। ऐसी शिकायतें अन्य स्थानों से भी मिलती रही हैं।भाजपा सरकार को गरीबों की ठंड से होने वाली परेशानियों से कोई मतलब नहीं। यहां ठंड होते ही लकड़ी और कोयले की कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं। सब्जी, खाद्य पदार्थों के दाम पहले से ही बढ़े है। बिजली की दरें भी सरकार ने बढ़ा रखी है। कोरोना काल में तमाम लोग बेरोजगार भी हो गए हैं।

गरीब और मध्यमवर्ग के लोगों को तकलीफें बहुत बढ़ गई हैं। जनता को भाजपा राज से कोई उम्मीद नहीं रह गई है। अब वह चाहती है प्रदेश में समाजवादी सरकार बने क्योंकि उसकी खुशहाली की कारगर नीतियां तभी लागू होगी। गरीब और गरीबी से तो भाजपा को चिढ़ है उसे तो बस पूंजी घरानों का साथ पसंद है।

वॉलमैक्स : जेके सीमेंट की नई वॉल पुट्टी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट

सिलीगुड़ी, 10 दिसम्बर । भारत के अग्रणी ग्रे सीमेंट, वाइट सीमेंट और वॉल पुट्टी निर्माताओं में से एक, जेके सीमेंट लिमिटेड ने सिलीगुड़ी में अपना वॉल पुट्टी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट शुरू किया है। इस प्लांट के शुभारंभ के साथ, जेके सीमेंट ने सिलीगुड़ी को हब के रूप में रखते हुए पूर्वी बाजारों में अपने मार्की ब्रांड, जेके सीमेंट वॉलमैक्स का निर्माण और वितरण करने की योजना बनाई है। यह पूर्वी भूगोल में वॉल पुट्टी उत्पाद की पहली विनिर्माण इकाई है, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में जेके सी वॉलमैक्स की बढ़ती मांग को पूरा करना है। कंपनी ने अपना वॉल पुट्टी ब्रांड, जेके सीमेंट वॉलमैक्सएक्स (जिसे पहले जेके वॉल पुट्टी के नाम से जाना जाता था) को गोटन, राजस्थान में अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से 2002 में लॉन्च किया था।

बाजार में अधिक मांग के कारण, उसने कटनी एमपी में वर्ष 2016 में एक प्रमुख वॉल पुट्टी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू की। इस साल की शुरुआत में, कंपनी ने दक्षिणी बाजार को पूरा करने के लिए गुंटूर, एपी में एक और वॉल पुट्टी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू की है और अब, सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) में इस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के शुभारंभ के साथ, इसका लक्ष्य पूर्वी बाजार में भी हिस्सेदारी बढ़ाना है ।

वायु गुणवत्ता आयोग निर्माण संबंधी प्रतिबंध हटाने पर निर्णय करे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को विभिन्न निकायों के प्रतिनिधित्व की जांच के बाद निर्माण गतिविधियों से जुड़े प्रतिबंध और औद्योगिक गतिविधियों पर प्रतिबंध पर निर्णय लेने की अनुमति दी।

मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमन्ना की अध्यक्षता वाली और न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ और सूर्यकांत की पीठ ने कहा, 'हम आयोग को विभिन्न उद्योगों और संगठनों के अनुरोधों की जांच करने का निर्देश देते हैं कि हमारे आदेशों के आधार पर या अन्यथा उनके परिपत्रों के अनुसार शर्तों में ढील दी जाए।' पीठ ने आगे कहा कि आयोग विभिन्न राज्य सरकारों के परामर्श से इन मामलों को एक सप्ताह के भीतर देखेगा।

इस निर्देश के साथ, शीर्ष अदालत ने बिल्डर्स फोरम, चीनी उद्योग के संचालकों, चावल और पेपर मिल आदि द्वारा दायर हस्तक्षेप आवेदनों का भी निपटारा किया, पीठ ने उन्हें अपनी शिकायतों के साथ आयोग से संपर्क करने के लिए कहा।

राईस मैनूफेकचर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया कि उन्होंने दिसंबर के पहले सप्ताह में छूट की मांग करते हुए एक अभ्यावेदन दिया था, लेकिन आयोग ने अभी तक इस पर फैसला नहीं किया है।

पीठ ने जवाब दिया कि अब तक ढील देने का सवाल ही नहीं था। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'हम सब दिल्ली में हैं, हम सभी को स्थिति पता है, अभी इसमें सुधार होना शुरू हो गया है।'

दिल्ली सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पीठ के समक्ष दलील दी कि सरकार ने 26 अस्पतालों (निर्माण गतिविधि के संबंध में) की सूची दी है, लेकिन अदालत ने अपने आदेश में केवल सात का उल्लेख किया है। पीठ ने कहा, 'आयोग को जांच करने दें।'

शीर्ष अदालत ने राज्य सरकारों को निर्माण प्रतिबंध की अवधि के दौरान मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी के भुगतान के संबंध में आदेश के अनुपालन को दर्शाते हुए हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया।

प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमण, न्यायमूर्ति डी. वाई. चन्द्रचूड और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की विशेष पीठ ने उत्तर प्रदेश और राजस्थान से अपने पुराने आदेश का पालन करने का निर्देश दिया।

इस आदेश में जिसमें न्यायालय ने एनसीआरक्षेत्र में आने वाले राज्यों से कहा था कि वे रियल एस्टेट फर्मों से वसूले जाने वाले उपकर से निर्माण क्षेत्र के मजदूरों को न्यूनतम दिहाड़ी देते रहें, क्योंकि पाबंदियों के कारण उनकी जीविका प्रभावित हुई है।

भारत की टीकाकरण नीति ने लाखों जिंदगियां बचाईं : राष्ट्रपति कोविंद

'मानवाधिकारों की आत्मा है समानता'

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने कोविड-19 रोधी टीकों की मुफ्त और सर्वत्र उपलब्धता की नीति को अपना कर लाखों लोगों की जान बचाने में सफलता पाई है। उन्होंने यह बात राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की ओर से आयोजित मानवाधिकार दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। राष्ट्रपति ने कहा कि मानवता इतिहास की सबसे भीषण महामारी से जूझ रही है।

उन्होंने कहा, 'यह महामारी अभी भी समाप्त नहीं हुई है और ऐसा लगता है कि वायरस मानव जाति से एक कदम आगे है। ऐसे समय में दुनिया ने अभी तक अपनी प्रतिक्रिया विज्ञान और वैश्विक भागीदारी में भरोसा जता कर दी है।' राष्ट्रपति ने कहा कि यद्यपि इस महामारी ने पूरी दूनिया में मानवता को प्रभावित किया है, यह भी देखा गया है कि कमजोर वर्गों पर इसका असमान रूप से विनाशकारी असर पड़ता है।

राष्ट्रपति ने आगे कहा, 'इस परिदृश्य में चुनौतियों के बावजूद भारत ने लाखों लोगों की जान बचाने में सफलता प्राप्त की है। हमने ऐसा कोरोना टीके की मुफ्त और सर्वत्र उपलब्धता सुनिश्चित करने वाली एक नीति अपना कर किया। इतिहास के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का संचालन करने के साथ भारत सरकार लगभग एक अरब लोगों को वायरस के खिलाफ सुरक्षा उपलब्ध कराने में सफलता हासिल की है।'

उन्होंने लोगों के जीवन के अधिकार और स्वास्थ्य के अधिकार की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और अन्य सभी कोरोना योद्धाओं की ओर से किए गए प्रयासों की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा, 'कुछ सबसे कठिन समय के दौरान सरकार के संस्थानों ने ऐसी स्थिति का जवाब देने में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया जिसको लेकर किसी भी मात्रा में तैयारी पर्याप्त नहीं साबित हो सकती थी।'

राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि इस साल मानवाधिकार दिवस का विषय समानता रखा गया है और समानता ही मानवाधिकारों की आत्मा है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों में समानता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नागरिक संगठनों और निजी स्तर पर इसमें समाज, मीडिया और कार्यकर्ताओं समेत मानवाधिकार संरक्षण को लेकर काम कर रहे सभी पक्षकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री के बेटे आशीष मिश्र को नहीं मिली जमानत

लखीमपुर खीरी, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। लखीमपुर खीरी के तिकुनिया हिंसा मामले में कृषि राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष मिश्र की जमानत अर्जी पर आज हाईकोर्ट के लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। अदालत ने जमानत याचिका को खारिज कर अगली सुनवाई के लिए 6 जनवरी 2021 की तारीख तय की है। अब मंत्री के बेटे को छह जनवरी तक जमानत नहीं मिलेगी। आशीष मिश्रा की ओर से सलिल श्रीवास्तव और बेल का विरोध करने के लिए मोहम्मद अमान और शशांक सिंह उपस्थित हुए।

इससे पहले अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए दोनों पक्षो को काउंटर करने के लिए 10 दिसंबर का समय दिया था। आशीष मिश्र की जमानत का विरोध करने के लिए हाईकोर्ट लखनऊ पीठ में एडवोकेट मोहम्मद ख्वाजा, एडवोकेट शशांक सिंह, एडवोकेट मोहम्मद अमान का वकालतनामा पेश हुआ था।

जिला अदालत से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद मुख्य आरोपी आशीष मिश्र ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जस्टिस करुणेश सिंह पवार की अदालत में आशीष मिश्र मोनू की जमानत याचिका पर सोमवार को कोर्ट नंबर 29 में सुनवाई हुई थी।

बचाव पक्ष की ओर से जिला जज मुकेश मिश्र की अदालत में झूठा फंसाया जाने की दलील दी गई थी।

जिला जज मुकेश मिश्र ने 15 नवंबर को जमानत अर्जी खारिज की थी। वहीं शुक्रवार को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच आशीष मिश्र की ओर से 51 बिंदु उठाते हुए जमानत अर्जी पेश की गई थी।

तीन अक्टूबर को तिकुनिया कस्बे में किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष मिश्र की तेज रफ्तार थार गाड़ी से कुचलकर किसानों की मौत और उसके बाद भड़की हिंसा में आठ लोगों की मौत हुई थी।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कंटेंट के खिलाफ कोर्ट पहुंचे समीर वानखेड़े

मुंबई, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। एनसीबी मुंबई के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े व उनकी पत्नी क्रांति रेडकर ने कोर्ट का रुख किया है। दोनों ने अपने खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक कंटेंट पब्लिश किए जाने पर रोक लगाए जाने की मांग की है। बॉम्बे सिविल कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में अपील की गई है कि गूगल, फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया पर अपमान व आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर कंपनियों को निर्देशित किया जाए।

समीर वानखेड़े ने इस याचिका में कहा है कि जिन लोगों के खिलाफ उन्होंने कार्रवाई की है, वे सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ गलत बयानबाजी कर रहे हैं। अब उन्होंने इसमें उनकी पत्नी को भी घसीट लिया है। उनके खिलाफ भी आपत्तिजनक, झूठी व बेबुनियाद टिप्पणियां प्रसारित की जा हरी हैं। दोनों ने मांग की है कि कोर्ट की ओर से सोशल मीडिया कंपनियों को इन पर रोक लगाने का निर्देश दे।

कोर्ट ने संबंधित मामले में एनसीपी नेता नवाब मलिक को फटकार लगाई थी। दरअसल, आर्यन खान ड्रग्स केस के बाद से नवाब मलिक समीर वानखेड़े व उनके परिवार को लेकर ट्विटर पर लगातार टिप्पणियां कर रहे थे, जिसके बाद कोर्ट ने आदेश दिया था कि, मलिक समीर वानखेड़े व उनके परिवार को लेकर सीधे तौर पर या इशारों में भी कोई बयानबाजी नहीं करेंगे।

पुलिसकर्मी पर बंदूक तानने वाले शाहरुख पठान को पनाह देने वाला कलीम भी दोषी करार

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली की एक अदालत ने शाहरुख पठान को दोषी ठहराए जाने के बाद उसे शरण देने के वाले एक व्यक्ति को भी दोषी ठहराया है, जब वह पिछले साल उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान एक पुलिसकर्मी पर कथित रूप से बंदूक तानकर फरार हो गया था।

पुलिस के अनुसार, शाहरुख पठान ने कथित तौर पर 24 फरवरी 2020 को दिल्ली पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल दीपक दहिया को मारने के इरादे से उन पर पिस्तौल तान दी थी। इस घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पठान फरार हो गया था और उसे 3 मार्च, 2020 को उत्तर प्रदेश के शामली जिले के बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है।

पुलिस ने दावा किया कि पठान ने फरार होने के बाद दोषी कलीम अहमद के शामली स्थित घर में शरण ली थी, जिसकी उनके मोबाइल फोन लोकेशन से पुष्टि होती है। पुलिस के अनुसार, पठान 26-27 फरवरी से 3 मार्च की रात तक अहमद के घर पर रहा। अहमद ने दंगा आरोपी को नया मोबाइल फोन खरीदने में भी मदद की थी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) अमिताभ रावत ने 7 दिसंबर को उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 216 (हिरासत से भागे एक अपराधी को शरण देने) के तहत आरोप तय किया थे।

न्यायाधीश ने कहा कि कलीम अहमद के वकील की उपस्थिति में उसे हिंदी भाषा में आरोपों के बारे में बताया गया और आरोपी ने स्वेच्छा से अपने खिलाफ लगाए गए आरोप को स्वीकार किया। न्यायाधीश 16 दिसंबर को उसे सजा देने के मुद्दे पर दलीलें सुनेंगे। इस धारा के तहत अधिकतम सजा सात साल तक की जेल और जुर्माना है।

इस बीच, शाहरुख पठान सहित मामले के पांच अन्य आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया है। पठान के खिलाफ दंगा और हत्या के प्रयास के आरोप तय किए गए हैं।

गौरतलब है कि फरवरी 2020 में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के समर्थकों और उसके प्रदर्शनकारियों के बीच उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक झड़पें हुई थीं। इस हिंसा के बाद कम से कम 53 लोग मारे गए और 700 से अधिक घायल हो गए।

किशनगंज में बनेगा लेदर पार्क, तेजी से चल रहा प्रयास : शाहनवाज

किशनगंज, 10 दिसम्बर (नि.सं.)। भाजपा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने पहुंचे सूबे के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि मेरे मंत्री बनने से किशनगंज के लोगों को मुझसे काफी उम्मीद व आस हैं। उनकी आस के लिए ही मिशन मोड में काम कर रहा हूं। किशनगंज में उद्योग लगाने की दिशा में काम चल रहा है। इन्होंने बताया कि किशनगंज से सटा बंगाल का पांजीपारा के ईद गिर्द लेदर का हब है। इसलिए इस क्षेत्र में लेदर पार्क बनाने की दिशा में काम हो रहा है। जब सब कुछ फाइनल हो जाएगा तो इसकी जानकारी विस्तृत रूप से दी जाएगी।

मंत्री ने कहा कि पूर्व में किशनगंज में प्रखंड के पास बियाडा की जमीन को एक कंपनी ने उद्योग लगाने के लिए लिया था। लेकिन उसने कुछ नहीं किया। अब उस जमीन पर दूसरे उद्योग लगाने पर विचार हो रहा है। बियाडा की जमीन पर जिसने नाजायज अतिक्रमण किया है उसको जल्द हटाया जाएगा।

शुक्रवार से शुरू हुए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन से पहले मीडिया से बातचीत करते हुए शाहनवाज हुसैन ने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है। सीएम नीतीश जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार में भाजपा भी साथ मिलकर काम कर रही है। एनडीए के सरकार में बिहार में विकास कैसे हो इस पर हम सब जुटे हैं।

मंत्री ने कहा कि किशनगंज की जो चमक है, वह अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री रहते मिली थी। चाहे फ्लाई ओवर हो या राजधानी एक्सप्रेस का किशनगंज में स्टॉपेज हो।

सेंट्रल रोड फंड से वाजपेयी जी के प्रयास से हमने कोचाधामन के बैसा वाला पुल बनाया था। यह बताते खुशी हो रही है कि वहां फिर से बिहार सरकार ने नया पुल बनाने की स्वीकृति दी है। अमौर से बायसी कोचाधामन होते हुए नया फोरलेन बन रहा है। इस पर काम

जल्द शुरू होगा। कहा कि कई हाईवे यहां बन रहे हैं। उद्योग के क्षेत्र में भी काम करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पटना में भी बैठकर किशनगंज के विकास की चिंता करता रहता हूं। क्योंकि मेरी पहचान किशनगंज से बनी है। किशनगंज के लोगों का बहुत आशीर्वाद मिला है। मंत्री ने कहा कि यह जज्बाती इलाका है। यहां डेवलपमेंट कभी मुद्दा नहीं बना है। यहां अलग तरह की राजनीति होती है। लेकिन मेरा प्रयास है कि डेवलपमेंट के क्षेत्र में जितना भी काम हो करने का प्रयास करुंगा।

एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि बिहार में जहां-जहां जूट मिल खुल सकती है, प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों का भी बखान किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुशांत गोप, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष त्रिलोक चंद जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत की अंतिम यात्रा में शामिल हुए 4 पड़ोसी देशों के टॉप कमांडर

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी सीडीएस जनरल बिपिन रावत की अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए हैं। 3, कामराज मार्ग से निकली अंतिम यात्रा में लोग कई जगहों पर नम आंखों के साथ पुष्पवर्षा करते दिखे। इस अंतिम यात्रा में आम लोगों के साथ ही पड़ोसी देश श्रीलंका, भूटान, बांग्लादेश और नेपाल के टॉप कमांडर भी शामिल हुए। बुधवार को ही तमिलनाडु के नीलगिरि जिले में हुए हेलीकॉप्टर क्रैश में सीडीएस बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत एवं 11 अन्य सैन्य अफसरों की मौत हो गई थी। शुक्रवार को सीडीएस रावत और उनकी पत्नी का शव उनके घर पर लोगों के अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया था।

इस दौरान पाकिस्तान के उच्चायोग में तैनात सुरक्षा सलाहकार भी जनरल रावत को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके घर पर पहुंचे थे। सीडीएस जनरल रावत की अंतिम यात्रा में शामिल होने जनरल शेवेंद्र सिल्वा भी पहुंचे, जो श्रीलंका के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ हैं और आर्मी कमांडर हैं। इसके अलावा रॉयल भूटान आर्मी के डिप्टी चीफ ऑपरेशंस ऑफिसर ब्रिगेडियर दोरजी रिंचेन भी शामिल हुए। नेपाली सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल बालकृष्ण कार्की भी शामिल हुए। यही नहीं बांग्लादेश के प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल वाकिर-उज-जमान भी अंतिम यात्रा में थे।

जनरल रावत की अंतिम यात्रा में श्रीलंका के पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ एडमिरल रविंद्र चंद्रश्री विजेगुणारत्ने भी पहुंचे। वह जनरल रावत के कोर्स मेट थे और उनके करीबी दोस्तों में से एक थे। जनरल रावत की अंतिम यात्रा कुछ ही पलों में दिल्ली कैंट स्थित बरार स्क्वेयर पहुंचने वाली है, जहां उनका अंतिम संस्कार होना है। इससे पहले सुबह से ही उनके घर पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना, तमाम केंद्रीय मंत्रियों समेत कई बड़ी हस्तियों ने सीडीएस के आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांसुमन अर्पित किए।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR HOOGHLY MORNING

Draw No:54 DrawDate on:10/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 96B 16353

Cons. Prize Rs.1000/- 16353 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

13033 14120 49231 55681 66899 78692 82337 82936 07220 90518

3rd Prize ₹450/-

3040 3388 3390 3894 4126 4753 5129 5911 8184 8997

4th Prize ₹250/-

1910 3034 3874 3957 5442 5865 5976 7098 8967 9950

5th Prize ₹120/-

0151 0386 0516 0583 0664 0842 0883 0905 0984 1150
1235 1512 1583 1648 1709 1962 1967 1987 1996 2036
2039 2066 2104 2306 2514 2543 2629 2779 2894 2957
3140 3216 3394 3407 3442 3692 3739 4125 4182 4189
4237 4510 4651 4800 4849 5189 5196 5198 5268 5307
5391 5425 5439 5481 5540 5589 5666 5730 5751 5804
5898 5921 5949 6115 6199 6242 6337 6370 6847 6992
7107 7137 7190 7239 7348 7390 7506 7762 8034 8072
8145 8183 8268 8342 8394 8618 8928 8989 9052 9186
9239 9400 9407 9539 9566 9732 9739 9780 9944 9948

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR EARTH FRIDAY

Draw No:54 DrawDate on:10/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 97E 85453

Cons. Prize Rs.1000/- 85453 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

09933 38691 40325 63649 72478 77443 87455 89041 90542 91097

3rd Prize ₹450/-

0712 0749 0873 1798 5341 6186 7040 7303 8662 9438

4th Prize ₹250/-

1074 1245 1362 1578 1592 1752 3904 7127 9659 9965

5th Prize ₹120/-

0101 0111 0136 0171 0190 0222 0570 0597 0770 0798
0994 1174 1233 1432 1709 1712 1828 1908 1998 2079
2301 2397 2695 2903 2936 2945 2961 2999 3045 3116
3151 3246 3254 3256 3376 3401 3439 3555 4047 4572
4657 4743 4756 4861 5015 5086 5127 5176 5190 5201
5398 5648 5827 5911 6321 6432 6563 6596 6647 6670
6762 6768 6793 6826 6984 6987 7033 7111 7187 7196
7255 7773 7868 7958 7991 8011 8044 8294 8295 8322
8480 8579 8603 8619 8709 8827 8988 8997 9063 9084
9099 9104 9239 9498 9539 9579 9614 9690 9752 9970

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR VULTURE EVENING

Draw No:154 DrawDate on:10/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 63D 09353

Cons. Prize Rs.1000/- 09353 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

01902 07145 10356 10893 31258 36668 42218 60290 61050 74800

3rd Prize ₹450/-

1513 3030 3091 3471 7263 7756 8124 8466 8834 8838

4th Prize ₹250/-

0303 9702 1281 1621 2584 5615 7294 7610 7692 9388

5th Prize ₹120/-

0032 0166 0186 0196 0331 0394 0409 0472 0556 0613
0787 0726 0888 1080 1638 1705 1990 2027 2157 2166
2369 2405 2415 2417 2535 2554 2570 2683 2725 2754
2833 2836 2848 2936 3002 3055 3056 3133 3307 3322
3504 3706 3708 3786 3839 4093 4111 4305 4321 4500
4556 4624 4798 4907 4917 4928 5073 5086 5159 5251
5303 3425 5466 5541 5772 5782 5867 5907 6198 6284
6292 6558 6855 6914 6936 7055 7112 7154 7161 7182
7318 7477 7588 7596 7879 7893 8150 8178 8544 8671
8768 8779 8957 9090 9147 9194 9345 9649 9738 9973

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

लोकतंत्र के लिए

लोकतंत्र एक कठिन मार्ग है, लेकिन उस पर चलने की पैरोकारी की हर कोशिश का स्वागत होना चाहिए। दुनिया में आधे से ज्यादा देशों में आज अगर लोकतंत्र स्थापित है, तो यह प्रमाण है कि संसार के ज्यादातर लोग लोकतंत्र को पसंद करते हैं। आधुनिक लोकतंत्र की स्थापना करने वाले अग्रणी राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बुलावे पर विश्वस्तरीय ऑनलाइन लोकतंत्र सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इसमें पाकिस्तान को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन उसने आखिरी वक्त में भाग लेने से इनकार कर दिया है। दरअसल, इस सम्मेलन में चीन को आमंत्रित नहीं किया गया है और चीनी सत्ता प्रतिष्ठान विगत दिनों से अपनी नाराजगी लगातार जाहिर करने में लगा हुआ है। चीन में भले ही लोकतंत्र नहीं है, पर वह अपनी व्यवस्था को समाजवादी लोकतंत्र से कम नहीं मानता। एक समय तक अमेरिका चीनी व्यवस्था की ओर से आंखें मूंदे हुए था, पर जब चीनी व्यवस्था अमेरिका पर हावी होने लगी, तब उसकी नींद टूटी। लोकतंत्र पर सम्मेलन शायद अलोकतांत्रिक चीन को घेरने की अमेरिकी कोशिश ही है। हाल ही में अमेरिका चीन में आयोजित विंटर ओलंपिक में भाग लेने से इनकार कर चुका है, इससे भी चीन का रोष स्वाभाविक है।

निस्संदेह, बाइडन का आमंत्रण ठुकराकर पाकिस्तान ने चीन को खुश करने की कोशिश की है और अपनी एक पुरानी पड़ती नाराजगी का भी मुजाहरा किया है। बाइडन को सत्ता संभाले दस महीने से भी ज्यादा बीत गए, लेकिन उन्होंने इमरान खान को एक फोन तक नहीं किया है। इसके पीछे अमेरिका की जो रणनीति है, वह धीरे-धीरे साफ होने लगी है। पाकिस्तान जैसे-जैसे चीन के पहलू में जाएगा, अमेरिका की तल्खी वैसे-वैसे बढ़ती जाएगी। पाकिस्तान अभी चीन के साथ खड़े होने में अपना हित देख रहा है और चीन उसे अपना आयरन ब्रदर या भाई करार दे रहा है। हर देश को लाभ-हानि सोचने का हक है, पर पाकिस्तान को ठीक से सोच लेना चाहिए। उसे यदि चीन से आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक मदद मिल रही है, तो क्या भविष्य में उसको अमेरिका की जरूरत नहीं पड़ेगी? क्या पाकिस्तान को चीन के रूप में नया अमेरिका मिल चुका है?

बहरहाल, हमारे लिए यह बड़ा सवाल है कि भारत की जगह कहां है। भारत राजनीतिक, कूटनीतिक, आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है। यहां तमाम विविधताओं के बावजूद लोकतंत्र सलामत है और दुनिया के बहुत से देशों के लिए ईष्र्या की वजह है। हमें अपने लोकतंत्र को और मजबूत व समावेशी बनाना चाहिए। बाइडन ने इस सम्मेलन में लोकतंत्रों में आ रही गिरावट पर चिंता का इजहार किया है, तो दुनिया के 100 से ज्यादा लोकतांत्रिक देशों को अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। यह अच्छी बात है कि दुनिया में इक्का-दुक्का लोकतांत्रिक देश ही ऐसे हैं, जिनका मकसद साम्राज्यवादी है या जो ताकत के जोर पर अपने भूगोल का विस्तार चाहते हैं। जो लोकतांत्रिक होगा, वही संवाद से आगे की राह तय करेगा और जिसका संवाद पर भरोसा नहीं होगा, वह धूर्तताओं और बंदूकों के सहारे आगे बढ़ेगा। राष्ट्रपति बाइडन के नेतृत्व में अमेरिका को भी अपनी वैश्विक नीतियों की समीक्षा करनी चाहिए। क्या अमेरिका दुनिया में लोकतंत्रों को मजबूत करने की दिशा में वाकई ईमानदार होने जा रहा है?

बदहाली पर आंसू बहाती यूनिवर्सिटी

डॉ. आनन्द आजाद

अपने स्थापना काल से अब तक ज्ञान की गंगा बहा कर लाखों परिवारों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरने वाला तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर इन दिनों अपनी ही बदहाली पर आंसू बहाने को विवश है।

हाल के कुछ दिनों से विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार, अराजकता तथा अनियमितता का माहौल व्याप्त है।

कोरोना काल में सारी परीक्षाएं स्थगित रहने के बावजूद बगैर वित्त समिति तथा अभिषद के सहमति के सारे नियम-कायदे ताक पर रख कर कोटेशन मंगाकर पूर्व में पांच रुपये प्रति कॉपी की दर से खरीदी जा रही कॉपी के दर में वृद्धि करते हुए नौ रुपये अस्सी पैसे प्रति कॉपी की दर से चौहत्तर लाख 97 हजार रुपये की सात लाख पैंसठ हजार कॉपी खरीद कर विश्वविद्यालय के लाखों रुपये का बंदरबांट किया जा चुका है। विभिन्न छात्र संगठनों तथा राजनीतिक दलों द्वारा कॉपी खरीद में लाखों के घोटाले के खिलाफ लगातार आवाज उठाए जाने के बावजूद अब तक न तो विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा किसी प्रकार की जांच कराई गई है, न ही राज्य सरकार तथा राजभवन की ओर से किसी प्रकार की कार्रवाई।

हद तो तब हो गई जब वित्त समिति की बैठक में सदस्यों द्वारा नियम विरु द्ध की गई कॉपी खरीद के विरोध में उसके भुगतान पर असहमति प्रकट की गई तो कुलपति द्वारा बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम के स्थापित प्रावधान के विरुद्ध जाकर राजभवन द्वारा उन वित्त समिति सदस्यों को हटवाते हुए नये सदस्यों का मनोनयन करवा कर नई वित्त समिति गठित कर भुगतान के लिए सहमति ले ली गई।

कॉपी घोटाले की तरह ही कई स्नातकोत्तर विभागाध्यक्षों की असहमति के बावजूद पैंसठ से सत्तर लाख रुपये की अनुपयोगी ई-बुक्स तथा ई-जर्नल्स खरीद कर लाखों रुपये के किताब खरीद घोटाले को अंजाम दिया गया।

विद्यालय में भैरवा तालाब बंदोबस्ती घोटाला, केंद्रीय पुस्तकालय परिसर बंदोबस्ती घोटाला, चौबीस परगना परिसर बंदोबस्ती घोटाला तथा विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस आवंटन घोटाला के बाद ओएमआर सीट खरीद योजना तथा आउटसोर्सिंग समेत ऑटोमेशन के माध्यम से विश्वविद्यालय में की जाने वाली लूट से विश्वविद्यालय के हित में सोचने वाले सभी शिक्षक, छात्र तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिक सशंकित हैं।

इन सबके अलावे विश्वविद्यालय के ही कुछ अधिकारियों तथा कर्मचारियों की मिलीभगत से भू-माफिया द्वारा विश्वविद्यालय की बेशकीमती बाइस बीघा जमीन हड़पने की साजिश रची जा रही है। विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार 2010-17 तक सभी महाविद्यालयों तथा स्नातकोत्तर विभागों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर समेत सभी प्रकार के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में बीपीएल कोटे के तहत निर्धारित सीट के अतिरिक्त दो छात्रों का नामांकन लिया जा रहा था मगर 2018 से ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया अपनाए जाने के पश्चात निर्धारित सीट के अतिरिक्त लिए जाने वाले बीपीएल कोटे के नामांकन की ओर किसी का ध्यान नहीं जाने या नामांकन से जुड़े संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों की संकीर्ण मानसिकता की वजह से लगातार तीन वर्षों तक बीपीएल कोटे के तहत छात्रों का नामांकन नहीं हो पाया, जो अत्यंत गंभीर और आपराधिक मामला है।

लगातार तीन वर्षों तक नामांकन नहीं लिए जाने के पश्चात इस वर्ष बीपीएल कोटे के तहत नामांकन का मुद्दा उठाए जाने पर अब विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा बगैर कोई पत्र दिखाए बीपीएल कोटे के खात्मा की बात करते हुए नामांकन लेने से इनकार किया जा रहा है। इस परिस्थिति से विश्वविद्यालय को निजात दिलाने तथा विश्वविद्यालय में उच्च व गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक, सांस्कृतिक, अकादमिक माहौल बनाने तथा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाते हुए नियम, अधिनियम, परिनियम के तहत कार्य संचालन के लिए वर्षों से अधिकारियों की कुर्सी पर कुंडली मार कर बैठे भ्रष्ट व बेईमान अधिकारियों को पदमुक्त करने तथा अनुकंपा पर चल रहे विश्वविद्यालय में स्थाई ईमानदार व प्रशासनिक रूप से दक्ष शिक्षाविद कुलपति के नियुक्ति की आवश्यकता है।

सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संबंधी गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। विश्वविद्यालय का पुराना गौरव लौटता दिख सकता है। ऐसे वक्त में विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों तथा प्रबुद्ध नागरिकों एवं युवाओं को एकजुट होकर विश्वविद्यालय को बचाने के लिए पहल करने की जरूरत है। इसे लुटने से नहीं बचाया गया तो मिथिलांचल, कोसी, सीमांचल, पूर्वांचल तथा संथाल परगना के क्षेत्र में फैला महान स्वाधीनता सेनानी अमर शहीद तिलका मांझी के नाम पर स्थापित विश्वविद्यालय नालन्दा तथा विक्रमशिला विश्वविद्यालय की तरह इतिहास बन कर रह जाएगा।

खतरे में भीतरकनिका की जैव विविधता

पंकज चतुर्वेदी

खारास्रोता नदी में मीठे पानी की घटती क्षमता भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही है। आईआईटी, हैदराबाद की जिस रिपोर्ट के आधार पर जिला प्रशासन इस नदी के माध्यम से पेयजल परियोजना तैयार कर रहा है, असल में वह रिपोर्ट ही निरापद नहीं हैं-इस रिपोर्ट के कुल 173 पृष्ठों में से 15 पेज इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री की नकल हैं।

यदि इस रिपोर्ट का पालन किया गया, तो संभव है कि 2050 तक भीतरकनिका की जैव विविधता और पर्यावरण तंत्र तहस-नहस हो जाए।

ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में राजकनिका विकास खंड में बरुनादिहा में प्रस्तावित विशाल पेयजल परियोजना न केवल इस छोटी सी नदी, बल्कि भीतरकनिका मैंग्रोव के अस्तित्व पर खतरा होगी। यह मैंग्रोव या आर्द्र भूमि ब्राह्मणी नदी और बैतरनी नदी डेल्टा में 650 किलोमीटर क्षेत्र में विस्तारित है। भीतरकनिका के पर्यावरण तंत्र में राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य और गरियामाथा समुद्री अभयारण्य शामिल हैं।

दिसंबर, 2020 में इंटिग्रेटेड मैनेजमेंट ऑफ वाटर ऐंड एनवायर्नमेंट' पर एक कार्यशाला का आयोजन भीतरकनिका में किया गया था। तब वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने बताया था कि भीतरकनिका मैंग्रोव में मीठे पानी का प्रवाह 2001 में जहां 74.64 प्रतिशत था, आज वह घटकर 46 फीसदी रह गया है। यदि इसके पानी को रोका-टोका गया, तो भीतरकनिका मैंग्रोव में खारा पानी बढ़ेगा, जो इसके पूरे तंत्र के लिए विनाशकारी होगा।

भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान भारत का दूसरा सबसे बड़ा मैंग्रोव वन है।

अभयारण्य में 55 विभिन्न प्रकार के मैंग्रोव हैं, जहां मध्य एशिया और यूरोप से आने वाले प्रवासी अपना डेरा जमाते हैं। यह ओडिशा में बेहतरीन जैव विविधता वाला दुर्लभ स्थान है और देश के खारे पानी के मगरमच्छों की सत्तर फीसदी आबादी यहीं रहती है।

यूनेस्को द्वारा संरक्षित इस मैंग्रोव को बढ़ते औद्योगिकीकरण और खनन से पहले से ही खतरा रहा है। तालचेर-अंगुल कोयला खदानों, स्टील और बिजली संयंत्र के साथ-साथ कलिंग नगर स्टील और पावर हब के लिए ब्राह्मणी नदी से भारी मात्रा में मीठा पानी पहले से ही खींचा जा रहा है। रेंगाली सिंचाई नहरों के पूरा हो जाने के बाद उसके लिए भी पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों से होगी।

मैंग्रोव में यदि समुद्र मुख से आ रहे खारे पानी और नदी के मीठे पानी का संतुलन नहीं रहा, तो यह तंत्र ही ध्वस्त हो जाएगा। मैंग्रोव में खारा पानी बढ़ने से मगरमच्छों के नदी की तरफ रुख करने से इंसान से उनका टकराव बढ़ सकता है। इस इलाके में हजारों लोग मछली पालन से आजीविका चलाते हैं। जाहिर है, उनकी रोजी-रोटी पर भी संकट है।

ध्यान रहे, ओडिशा के तट पर बढ़ रहे चक्रवातों के खतरे से जूझने में मेंग्रोव की भूमिका महत्वपूर्ण है। केंद्रपाड़ा का समुद्री तट गरियामाथा दुनिया में अचंभा कहे जाने वाले ओलिव रिडले कछुओं का प्रजनन स्थल भी है। ऐसे में यहां के नैसर्गिक तंत्र से छोटी-सी छेड़छाड़ प्रकृति को स्थायी नुकसान पहुंचा सकती है।

हर किसान तक पहुंचे लाभ

योगेंद्र के अलघ

नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन कमोबेश खत्म हो गया है। इससे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर बैठे किसानों की घर वापसी की राह तो सुनिश्चित हो गई है, मगर सवाल बना हुआ है कि इस आंदोलन से क्या देश भर के किसानों को लाभ पहुंचा? अच्छी बात है कि पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे इलाकों में अब न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदारी सुनिश्चित की जाएगी। लेकिन उन राज्यों का क्या, जहां एमएसपी तो दूर की कौड़ी है, बाजार तक सही ढंग से काम नहीं कर रहे? बिहार के किसान तो इसी वजह से अब सड़कों पर उतरने लगे हैं।

नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने एक फ्रेमवर्क तैयार किया था कि कृषि सुधारों को अखिल भारतीय स्तर पर किस तरह से लागू किया जाना चाहिए। चूंकि कोरोना-संक्रमण काल में माल ढुलाई और परिवहन कमोबेश बंद थे, इसलिए कृषि सुधारों की तरफ बढ़ना मुफीद नहीं था। रमेश चंद ने इसीलिए राज्य सरकारों को विश्वास में लेकर धीरे-धीरे सुधार की बात कही थी। रद्द किए गए कानून कृषि सुधारों की ही वकालत कर रहे थे, इसीलिए अब भी उनको लाया जा सकता है। आसन्न विधानसभा चुनावों के मद्देनजर इनको वापस लिया गया है, पर जब चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, तो मुमकिन है कि अलग तरीके से इनको फिर से लागू करने के प्रयास हों।

कृषि सुधार बिहार और झारखंड के किसानों के लिए अहम है। आंदोलनरत किसानों ने एमएसपी की कानूनी गारंटी की बात तो की, लेकिन धान और गेहूं को छोड़ दें, तो बाकी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य मायने नहीं रखता है। कपास, तिलहन जैसी फसलों के लिए तो एमएसपी बेमानी ही है। इसीलिए महामारी के बाद जब आवागमन सुगम हो जाएगा और माल ढुलाई पुरानी रफ्तार पकड़ लेगी, तब एमएसपी की चर्चा शायद ही होगी। एमएसपी की कानूनी गारंटी महज संकेतक रह जाएगी। किसानों को बाजार के साथ-साथ आवागमन की सुविधा मिले, तो वे भला सरकारी मंडियों के भरोसे क्यों रहेंगे? वे अपनी फसलों को बाहर भेज सकेंगे, जहां से उनको अच्छी कीमत मिल सकेगी।

संयुक्त किसान मोर्चा के आंदोलन की सफलता ने अन्य किसानों को भी प्रोत्साहित किया है। देश के कुछ हिस्सों में किसान अपनी आवाज उठाने भी लगे हैं। मगर इसकी वजह सरकार की कार्यप्रणाली है। निस्संदेह, किसान हरेक मुद्दे पर तो सड़क पर नहीं बैठेंगे, लेकिन सरकार अगर जल्दबाजी करेगी और बिना चर्चा-विमर्श के कानून थोपने के प्रयास करेगी, तो उसका पुरजोर विरोध होगा ही। बिहार में ही बहुत से जिले हैं, जहां अच्छी खेती हो रही है। वे देश की कुल धान पैदावार में 20 फीसदी का योगदान दे रहे हैं। भुट्टे (मकई) की उपज भी बिहार में बहुत है। मकई आज उद्योगों की एक बड़ी जरूरत है। चूंकि बिहार उस दौर को देख चुका है, जब वहां के खेत सोना उगला करते थे, इसलिए वहां खेती के बुनियादी ढांचे पर काम करने की जरूरत है।

वहां भूमि सुधार पर आगे बढ़ना चाहिए। आज वहां ज्यादातर किसान बंटाई पर खेती करते हैं। खेत के असली मालिक तो शहरों में रहते हैं। उन किसानों के हित की बात हमें करनी चाहिए। बिचौलिए इन्हीं किसानों से सस्ते दामों में फसल खरीद लेते हैं और ऊंची कीमतों में शहरों में बेचते हैं। इस तरह, उपज का बड़ा फायदा बिचौलिये के खाते में चला जाता है। यहां अगर एमएसपी भी लागू की गई, तो बात नहीं बनेगी। या तो खेत मालिक या बिचौलिए उन लाभों को कूट खाएंगे।

देखा जाए, तो भूमि सुधार पूरे देश में विफल हो गया है। देश के कई हिस्सों में किसानों की हैसियत बस खेतिहर मजदूर की है। झारखंड भी इसका अपवाद नहीं है। यहां वनोपज पर उनकी निर्भरता काफी ज्यादा है, लेकिन वनोपज बढ़ानेको लेकर जो हमारी वन नीति है, उसका भी खूब उल्लंघन किया जाता है। आंकड़े भी यही बताते हैं कि वनों से लकड़ियां गैर-कानूनी तरीके से काटी जा रही हैं। ट्रांसपोर्ट सर्वे में गैर-कानूनी लकड़ियों के वक्त-बेवक्त पकड़े जाने की बात है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि वन बढ़ाने को लेकर अपने यहां काम नहीं हुआ है। वन नीति की बदौलत ही उनका क्षेत्रफल अक्षुण्ण बना हुआ है। हां, घने जंगल जरूर कम हुए हैं, लेकिन वृक्षारोपण में बढ़ोतरी से हालात काफी हद तक स्थिर हैं। वहां के किसानों को वनोत्पाद में साझेदारी दी जानी चाहिए। कुछ जगहों पर ऐसा होता है, लेकिन इसे व्यापक तौर पर लागू किए जाने की जरूरत है। मध्य प्रदेश में भी ऐसा किया जाना चाहिए। वनों की अवैध कटाई की भरपाई फार्म फॉरेस्ट्री (व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए पेड़ उगाना) से होनी चाहिए।

कृषि सुधार की दरकार क्यों है, इसका एक बड़ा उदाहरण नर्मदा नदी के तट पर खेती करने वाले किसान हैं। नर्मदा से निकली नहरों को यदि कंख्यूटर कंट्रोल्ड कैनाल सिस्टम से जोड़ दिया जाता, तो वहां के किसान तंबाकू, दाल, तिलहन की खेती कर सकते, जिससे उत्पादन खासा बढ़ जाता। हमारी कोशिश यही थी, लेकिन वह प्रयास परवान नहीं चढ़ सका और इसका पानी बस डांगर (धान) की खेती के काम आ सका। कंख्यूटर कंट्रोल्ड सिस्टम की दिशा में पिछले 20 साल का हासिल बस यही है कि इस बाबत महज टेंडर जारी हुए हैं। नतीजतन, निचले इलाकों के किसानों को तो पानी मिल जाता है, लेकिन बाकी किसान खाली हाथ रहते हैं। अभी 30 फीसदी किसानों को नर्मदा का पानी नहीं मिलता। इसका अर्थ यह है कि तीन में से एक किसान को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध नहीं है। बाढ़ से जो पानी आता है, उसी से वे अपनी सिंचाई संबंधी जरूरतें पूरी करते हैं। और, हम उन पर यह तोहमत लगाते हैं कि वे तिलहन की खेती नहीं करते।

लब्बोलुआब यही है कि चुनावों के बाद हमें फिर से सुधारों की तरफ बढ़ना चाहिए। मगर हां, इस बार बेवजह की सक्रियता नहीं दिखानी चाहिए। किसानों को उनके हित समझाने होंगे। महाराष्ट्र में ही आंदोलन के दौरान किसानों का एक मार्च नासिक से मुंबई आया था। जब वे मुंबई पहुंचे, तो उनको बताया गया कि बच्चों की परीक्षा के कारण उन्हें शहर में नहीं आना चाहिए। वे तुरंत मान गए और परीक्षा तक शहर की सीमा से बाहर रहे। जाहिर है, अगर तरीका सही हो, तो दिक्कत नहीं होगी। और अगर एकाध मुश्किलें खड़ी होती भी हैं, तो उनको किनारे किया जा सकता है।

धर्म से अभिशप्त

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

धर्म का संबंध आस्था से है तो उसके केंद्र में प्रत्येक प्राणी और मानव के प्रति दया और करु णा के भाव होना चाहिए। यदि धर्म का संबंध विश्वास से है तो उसमें प्रत्येक मानव की गरिमा में असीम विश्वास होना चाहिए।

यदि धर्म का अर्थ शांति से है तो वह मानवीय गुण व्यवहार में प्रतिबिम्बित होना चाहिए। यदि धर्म जीने का तरीका है तो उसमें परस्पर द्वेष और घृणा नहीं होना चाहिए। यदि धर्म का संबंध ईश्वरीय श्रद्धा, पूजा पाठ, ईश्वरीय उपासना, आराधना आदि से है तो उसमें मानव मात्र के प्रति प्रेम के भाव आना चाहिए। यदि धर्म व्यवस्था, कानून, नीति या समाज के परिचालन का तरीका है तो उसमें असमान भाव और विरोधाभास की सम्भावनाएं नगण्य होना चाहिए।

दुनिया भर में मानवाधिकारों की स्थिति का आंकलन किया जाएँ तो हिंसा, अत्याचार और उत्पीड़न के पीछे धार्मिक साया नजर आता है। अलग-अलग देशों में इसके प्रकार भिन्न-भिन्न होते हैं, लेकिन धर्म को बचाने के नाम पर हिंसा का खेल बदस्तूर जारी है। पिछले दिनों पाकिस्तान के सियालटकोट की एक फैक्टरी में काम करने वाले श्रीलंका के नागरिक प्रियांथा कुमारा को भीड़ ने ईशनिंदा के आरोप में पीट-पीटकर मार डाला बाद में उनके शव को जला दिया। इस वीभत्स घटनाक्रम में शामिल कुछ युवाओं ने वीडियो बनाकर बाकायदा पैगंबर मोहम्मद के अपमान और इस्लाम का हवाला देकर इसे न्यायोचित ठहराया। 1980 के दशक में कश्मीर से लाखों पंडितों के पलायन का कारण कट्टरपंथी धर्माधता रही, जिसे इस्लाम से जोड़ा गया।

भारतीय जनमानस भी उससे बहुत अलग नहीं है। यहां धार्मिक आतंकवाद से ज्यादा एक अलग और कहीं खतरनाक किस्म का जातीय आतंकवाद है जो मंदिरों में जाने से किसी को रोक देता है और उस पर ईश्वर को अशुद्ध करने का आरोप लगाकर निशाना भी बना देता है, यहां तक की इस कारण कई लोगों को मार भी डाला जाता है। सितम्बर 2015 में दिल्ली के पास दादरी के बिसाहड़ा गांव में अखलाक नाम के अधेड़ को उनके घर से खींचकर निकालने और पीट कर हत्या कर डालने की घटना सामने आई थी। भीड़ ने मोहम्मद अखलाक पर गोमांस रखने का आरोप लगाया था। 2015 में केन्या की गारिसा यूनिर्वसटि कॉलेज पर हुए एक आतंकी हमले में चरमपंथियों ने मुसलमान छात्रों को जाने दिया था और ईसाइयों को अलग करके गोली मार दी थी। उस हमले में 148 लोग मारे गए थे।

यहां पर धर्म और पहचान के नाम पर निशाना बनाया गया। इस साल नवदुर्गा पर बांग्लादेश में पूजा पंडालों में कुरान रखने की अफवाह पर हिंदुओं पर हमले किए गए और कई हिंदुओं की हत्याएं कर दी। फ्रांस में एक धर्माध नवयुवक द्वारा एक शिक्षक का गला रेत कर हत्या कर दी गई। आरोप था कि टीचर ने अपनी क्लास में पैगंबर मोहम्मद का कार्टून दिखाया था। फ्रांस में पैगंबर मोहम्मद के कार्टून को लेकर छिड़ी बहस के बीच ही नाइस शहर में एक और हमला हुआ। जहां हमलावर ने अल्लाह हू अकबर के नारे लगाते हुए स्थानीय चर्च पर हमला किया, इसमें तीन लोगों की मौत हो गई एक महिला का गला काट कर निर्मम हत्या कर दी गई। 2019 में श्रीलंका में ईस्टर पर एक मुस्लिम अतिवादी संगठन द्वारा भयंकर आतंकवादी हमला हुआ और इसमे सैकड़ों लोग मारे गए थे। इसकी कड़ी प्रतिक्रिया वहां के मुसलमानों ने झेली। मस्जिदों पर हमले हुए।

मुसलमानों की दुकानों का बहिष्कार किया गया। यहां के मुसलमानों ने कई स्थानों पर श्रीलंका के प्रति अपनी देशभक्ति साबित करने के लिए अपनी मस्जिदों को गिरा दिया। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में मंदिरों और गुरु द्वारों पर हमले आम है। श्रीकृष्ण ने गीता में कहा था कि मनुष्य अपने विश्वास से निर्मित होता है। जैसा वो विश्वास करता है वैसा वो बन जाता है। दुनिया भर में होने वाली धार्मिक उत्पीड़न की घटनाओं से यह तो स्पष्ट हो ही जाता है कि धर्म को लेकर लोगों में पवित्र भावनाएं होनी चाहिए, लेकिन वह विद्वेष के रूप में सामने आ रही है। क्या धर्म रहस्य है क्योंकि धर्म कभी रहस्य नहीं हो सकता। जहां रहस्य होता है वहां बुद्धि श्रेष्ठता और विवेक शून्यता दोनों भाव आने की पूर्ण संभावना होती है और जब विवेक शून्य हो जाए तो भ्रम पैदा होता है।

भ्रम से चेतना व्यग्र होती है और तब तर्क नष्ट हो जाता है। जब तर्क नष्ट होता है तब व्यक्ति का पतन हो जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 10 दिसम्बर 1948 को मानव अधिकार की सार्वभौम घोषणा अंगीकार कर मानव अस्मिता और सम्मान को सुनिश्चित करने का प्रयास किया था, इसके साथ ही वैश्विक समुदाय से यह अपेक्षा भी की गई थी की वह मानव अधिकारों का पालन व्यवस्था की दृष्टि से भी करेंगे। इस घोषणा में समाहित किया गया की जाति, वर्ण, लिंग, भाषा, धर्म, राजनीतिक या अन्य विचार-प्रणाली, किसी देश या समाज विशेष में जन्म, संपत्ति या किसी अन्य मर्यादा आदि के कारण भेदभाव का विचार न किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, चाहे कोई देश या प्रदेश स्वतंत्र हो, संरक्षित हो, या स्वशासन रहित हो, या परिमित प्रभुसत्ता वाला हो, उस देश या प्रदेश की राजनैतिक क्षेत्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्थिति के आधार पर वहां के निवासियों के प्रति कोई फर्क न रखा जाएगा।

रेशमकीट पालन

संकरित रेशमकीट

आईवीएलपी के अंतर्गत सीएसआर-2 : सीएसआर-4 एवं द्विगुण संकरित (कृष्ण राजा) जैसे उन्नत बाइवोल्टाइन संकरित रेशमकीट की सिफारिश की गई है।

चावकी पालन

अण्डे के फूटने से लेकर परिपक्व अवस्था तक पहुँचने में एक रेशम कीट को पाँच अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। कीटों की दूसरी अवस्था युवा अवस्था या चावकी अवस्था कहलाती है। चूँकि यह प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति अधिक संवेदनशील होते और इसके संक्रमित होने की संभावना अधिक रहती इसलिए चावकी पालन हेतु विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अतएव चावकी पालन केन्द्रों में नियंत्रित परिस्थितियों के भीतर पले रेशमकीट प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए।

बड़े उम्र में पालन

बड़े उम्र के कीटों का पालन तीसरे इनस्टार से शुरू होती है। ये कीड़े बहुत अधिक पत्तियाँ खाने वाले होते हैं।

मलबरी रेशमकीट

पालन आजीविका का साधन

मलबरी रेशमकीट को विभिन्न जलवायु स्थितियों और विस्तृत क्षेत्र वाली मिट्टी में उगाया जा सकता है। बेहतर पद्धतियों को अपनाकर कोकुन की अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। लेकिन इसके लिए अधिक ऊपज देने वाली उत्तम किस्म की पत्ती का होना आवश्यक शर्त है। रेशमकीट का पालन लार्वा अवधि के दौरान पाँच विभिन्न चरणों से होते हुए होती है। लार्वा अवधि में उसे विशेष रूप से निर्मित रेशमकीट पालन शेड में रखा जाता है। साथ ही, उच्च कोटि का रेशम प्राप्त करने के लिए उचित समय पर प्रबंध और गहन देखभाल की जाती है।

पालन घर

मलबरी रेशमकीट पालन एक पूर्णतः घरेलू व्यवसाय है। इसके लिए 24-28 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान और 70-80 प्रतिशत आर्द्रता वाले मौसम की जरूरत होती है। इसलिए किफ़ायती ठंड वातावरण बनाये रखने के लिए दीवार व छत की बनावट के लिए उपयुक्त सामग्री का चयन,भवन का अभिसरण, निर्माण पद्धतियाँ, डिज़ाइन इत्यादि पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। आगे, पत्तियों की रख-रखाव, चावकी पालन, परिपक्व अवस्था पालन एवं मोल्टिंग के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध होनी चाहिए। साथ ही, उस स्थान की साफ-सफाई और रोगमुक्तीकरण व्यवस्था भी अच्छी तरह होनी चाहिए। पालन के प्रकार और मात्रा के अनुसार पालन घर का आकार होनी चाहिए। 100 डीएफएल के लिए 400 वर्ग फीट क्षेत्रफल वाला सतह प्रदान किया जा सकता है (डीएफएल- डिज़िज़ फ्री लेइंग (रोग मुक्त स्थान), 1डीएफएल = 500 लार्वा)।

पालन उपकरण

परिपक्व अवस्था वाले रेशमकीट उच्च तापमान,उच्च आर्द्रता और न्यूनतम स्तर वाले हवा के आवागमन व्यवस्था को सहन नहीं कर पाते हैं। इसलिए कमरे के तापमान को न्यूनतम स्तर पर बनाये रखने के लिए पालन घर में दो ओर से हवा के आने व जाने की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि रेशमकीट द्वारा छोड़े गये मल से उत्पन्न बड़ी मात्रा में गैस आसानी से बाहर निकल सके। 100 डीएफएल (50 हजार लार्वा) के लिए न्यूनतम उपकरण आवश्यकता को निम्न तालिका में दर्शाया गया है -

सारणी- 100 डीएफएलएस (50 हजार लार्वा) पालन हेतु अपेक्षित पालन उपकरण

पालन घर या उपकरणों को संक्रमणरहित बनाये रखने के लिए इसे दो बार साफ की जानी चाहिए। पहली बार पूर्ववर्ती फसल की तैयारी के तुरंत बाद 5 प्रतिशत ब्लिचिंग पाउडर से तथा दूसरी बार दूसरे फसल के दो दिन पहले 2.5 सैनिटेक (क्लोरीन डाई-ऑक्साइड) के घोल से साफ की जानी चाहिए। रोगमुक्त करने का सुझाव निम्न तालिका में दर्शाया गया है-

7. शूट पालन-एक किफायती उपाय

रेशमकीट पालन की इस पद्धति में अंतिम तीन अवस्थाओं का पालन एक स्वतंत्र पत्ती के स्थान पर मलबरी शूट देकर किया जाता है। पालन की यह सबसे किफायती पद्धति है जिससे 40 प्रतिशत तक पालन श्रम की बचत होती है। अन्य लाभ इस प्रकार है-

- रेशमकीट की संख्या कम होने पर बीमारी के फैलाव एवं संक्रमण में कमी।
- कीड़ों और पत्तियों को प्रक्रिया से अलग करते ही द्वितीयक संक्रमण घट जाता है।
- साफ-सफाई बनाये रखना।
- भंडारण और बेड पर होने की स्थिति में पत्ती की गुणवत्ता का बेहतर संरक्षण।
- बेड में बेहतर वायु संचरण।
- बेहतर कोकुन गुणवत्ता एवं लार्वा की उच्च उत्तर-जीविता।
- न्यून गैर आवर्ती व्यय।

पोषण

50-55 दिन पुराने शूट का पोषण प्रारंभ करें। इसकी कटाई सुबह के ठण्डे मौसम में 3-4 फीट की ऊँचाई पर करें। 60-65 दिन पुराने शूट का पोषण पाँचवीं अवस्था वाले कीटों के साथ की जानी चाहिए। कटाई की गई शूट का भंडारण ढीले में उर्ध्वाकार अवस्था में ठण्ड और आर्द्रता युक्त वातावरण में करनी चाहिए जो साफ, रोगाणुमुक्त एवं गीले कपड़े से ढके हुए हों। बाई वोल्टाईन रेशमकीट के लिए चौथे अंतर्रूप में 460 कि.ग्राम और पाँचवें अंतर्रूप में 2880 कि.ग्राम मलबरी मंजरी के मात्रा की आवश्यकता होती है। प्रतिदिन 3 बार भोजन देने (सुबह 6 बजे, दोपहर 2 बजे और रात 10 बजे) की सारणी को अपनाया जाना चाहिए। मटमैले या अधिक पके हुए पत्तियों को न खिलाएँ। प्रत्येक पोषण के दौरान बेड में लार्वा को समानांतर रूप में वितरित करें। पाँचवीं अवस्था के अंत में 100 डीएफएलएस के लिए 600 वर्ग फीट की जगह की आवश्यकता होती है। प्रत्येक सफाई/पोषण से पहले चॉप स्टीक से ध्यानपूर्वक सभी छोटे आकार वाले और बीमारी की आशंका वाले कीड़ों को हटा दें। लिये गये लार्वा को 0.3विलयन बुझे हुए चूने के 2 प्रतिशत ब्लीचिंग पाउडर में रखें।

मलबरी कृषि और रेशमकीट पालन की सर्वोत्तम पद्धतियाँ

पूरे पालन अवधि के दौरान रेशमकीट को काफी सावधानीपूर्वक देखभाल की जाती है और उसके भोजन के लिए उत्तम किस्म के मलबरी पत्ते का इस्तेमाल किया जाता है। बेहतर वातावरण का निर्माण और कृमि व बीमारियों से रक्षा इनके पालन की अन्य आवश्यक शर्तें हैं। रेशमकीट के लिए अनुकूल स्थितियाँ प्रदान करने के लिए एक अलग से पालनघर और पालन उपकरण व साधनों की आवश्यकता होती है। एक साल में 5 से 10 फसलों का पालन किया जा सकता है और प्रत्येक फसल की जीवन अवधि लगभग 70-80 दिनों की होती है।

मलबरी कृषि

मलबरी प्रज़ाति

वी-1 और एस-36 उच्च ऊपज़ देने वाली मलबरी प्रजाति है और रेशमकीट पालन के लिए अत्यंत उपयुक्त है। ये दोनों प्रजाति पोषक पत्ती प्रदान करती है जो रेशमकीट पालन में लार्वा के लिए अत्यंत आवश्यक है। इन दो प्रजातियों की विशेषताएँ निम्न हैं -

एस 36 प्रज़ाति - इसकी पत्तियाँ हृदय आकार की मोटी और हल्के हरे रंग के साथ काँतियुक्त होती है। पत्तियों में उच्च आर्द्रता होती है तथा उसमें अधिक पोषक तत्व होते हैं। प्रति वर्ष एक एकड़ में लगभग 15 हज़ार से 18 हज़ार किलो ग्राम मलबरी पत्तियाँ प्राप्त होती हैं।

वी -1 प्रजाति - यह प्रजाति वर्ष 1997 के दौरान जारी की गई और खेती में काफी लोकप्रिय है। पत्तियाँ अण्डाकार, बड़े आकार की, मोटी, आर्द्रता लिए हुए गहरे हरे रंग की होती है। एक वर्ष में लगभग 20-24 हज़ार किलो ग्राम मलबरी पत्तियाँ प्राप्त की जा सकती है।

रोपण पद्धति

वृक्षारोपण की व्यवस्था दो कतारों में की जाती है जहाँ (90+150 सें.मी) ङ्ग 90 सें.मी या 60 सें.मी ङ्ग 60सें. मी. की दूरी उपयुक्त होती है। वृक्षारोपण की दोहरी कतार के लाभ इस प्रकार है-

दोहरी कतार के बीच जगह होने से अंतर कृषि गतिविधि तथा पत्तियों के परिवहन हेतु पावर टिलर का उपयोग किया जा सकता है। इसके द्वारा ड्रिप सिंचाई सुविधा होती है।

प्रति एकड़ अधिक संख्या में वृक्षों को लगाया जा सकता है। आसानी से एवं शीघ्रतापूर्वक पत्तियों को ले जाया जा सकता जो आर्द्रता हानि की संभावना को कम करता है। डंठल कटाई (शूट हार्वेस्टिंग) से 40 प्रतिशत तक श्रम की बचत होती है।

गोबर एवं खाद का प्रयोग

प्रति हेक्टेयर 8 मीट्रिक टन की दर से साल में दो बार गोबर का प्रयोग करें। मलबरी के वी-1 प्रजाति के लिए एनपीके का प्रयोग 350:140:140 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से तथा मलबरी के एस-36 प्रजाति के लिए 300:120:120 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से प्रति वर्ष 5 बराबर भागों में बाँट कर करें।

सिंचाई

सप्ताह में एक बार 80 से 120 मिली मीटर की दर से सिंचाई । पानी की कमी होने की स्थिति में किसान ड्रिप सिंचाई का प्रयोग कर 40प्रतिशत पानी की बचत कर सकते हैं।

बेड क्लीनिंग

अस्वस्थ लार्वा को हटाएँ और उसे 0.3 बूझा हुआ चूना विलयन में 2 प्रतिशत ब्लीचिंग पाऊडर में रखें। बेड की सफाई करते समय पालन कक्ष में बेड को सतह पर इधर-उधर न फैलाएँ।

10. तापमान और आर्द्रता बनाये रखना

तीसरे अंतर्रूप लार्वा के लिए बेहतर तापमान 26 डिग्री सें, चौथे अंतर्रूप के लिए 25 डिग्री से. और 5 वें अंतर्रूप के लिए 24 डिग्री से.आदर्श तापमान है तथा उसी प्रकार तीसरे अंतर्रूप के लिए आर्द्रता 80प्रतिशत तथा चौथे व 5 वें अंतर्रूप लार्वा के लिए 70 प्रतिशत आर्द्रता की आवश्यकता होती है। एयर कूलर, रूम हीटर, चारकोल स्टोव, भींगी थैली या भीगी हुई रेत का उपयोग करते हुए कूलिंग, हीटिंग और आर्द्रता वाले उपकरणों का उपयोग कर आवश्यक तापमान और आर्द्रता बनाए रखे। हवा के आवागमन से रेशमकीट के शारीरिक तापमान को घटाने में मदद मिलती है।

फसलोत्पादन की पहली सीढ़ी

किसी भी फसल के उत्पादन के लिए बीज एक महंगा आदान होता है। फसल उत्पादन की कुल लागत का लगभग 20-30 प्रतिशत भाग अकेले बीज पर ही खर्च हो जाता है। अतः स्वस्थ फसल प्राप्त करने के लिए हमें बीजों को बिमारियों से दूर रखना चाहिए जिसके लिए हमें फसलों को बोने से पहले बीजोपचार करना चाहिए। बीजोपचार का उद्देश्य न केवल बीज एवं मृदा जनित बिमारियों की रोकथाम करना होता है वरण जीवित परन्तु सुषुप्त जीवाणुओं के लेप करने के लिए ऐसे माध्यम का प्रयोग करना होता है जो बीज अंकुरण के पश्चात अंकुरित पौधे को एक स्वस्थ एवं ओजपूर्ण विकसित पौधे के लिए नाइट्रोजन एवं स्फुर प्रदान करता है जिससे अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है। फसलों को बीज जनित एवं मृदा जनित रोगों से बचाने के लिए बीजों को बोने से पहले कुछ रासायनिक दवाओं एवं पोषक तत्वों की उपलब्धता बढाने के लिए कुछ जैव उर्वरकों से उपचारित किया जाता है । जैव उर्वरक के प्रकार

नाइजीरिया में बंदूकधारियों के हमले में 9 लोगों की मौत

अबुजा। नाइजीरिया के नाइजर प्रांत में बंदूकधारियों के समूह ने एक गांव पर हमला किया जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। प्रांत के पुलिस

प्रमुख बाला कुर्यस ने राजधानी मिन्ना में मीडिया से बताया नाइजर के माशेगू स्थानीय सरकारी क्षेत्र के बाआर गांव की स्थानीय मस्जिद में बंदूकधारियों ने सुबह की नमाज अदा कर रहे लोगों पर हमला किया। कुर्यस बताया कि मोटरसाइकिल पर आए बंदूकधारियों ने मस्जिद में गोलीबारी कर दहशत फैला दी। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। कुछ सुरक्षा कर्मियों को इलाके में सुरक्षा बढ़ाने के लिए तैनात किया गया है। पुलिस हमलावरों की मंशा का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए जांच कर रही है।

निकारागुआ ने तोड़े ताइवान से राजनयिक संबंध, चीन ने दी शुभकामनाएं

बीजिंग। निकारागुआ ने ताइवान के साथ लंबे समय से चले आ रहे राजनियक संबंधों को तोड़ दिया। निकारागुआ का यह फैसला चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के वन चाइना पालिसी के पक्ष में है। विदेश मंत्रालय ने अंग्रेजी व स्पेनिश भाषा में बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसके अनुसार, 'रिपब्लिक निकारागुआ की सरकार ने आज ताइवान के साथ सभी राजनयिक संबंधों को खत्म कर दिया और आधिकारिक संबंध विच्छेद कर लिया।'

निकारागुआ के इस फैसले पर ताइवान ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। ताइवान ने इसे दुखद बताया और कहा कि सेंट्रल अमेरिकी राष्ट्रपति डेनियल ओर्टेगा ने ताइवान और निकारागुआ की जनता के बीच की मित्रता का अपमान किया। लेकिन ताइवान की सरकार ने चुनौती भी दी। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सदस्य होने के नाते ताइवान को दूसरे देशों के साथ राजनयिक संबंध विकसित करने का अधिकार है।' संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जून ने निकारागुआ को इस फैसले के लिए बधाई दी। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, 'हम निकारागुआ सरकार द्वारा किए गए सही निर्णय की बहुत सराहना करते हैं, जो समय की मांग को देखते हुए लोगों की चाहत के अनुसार है।' पिछले माह ही निकारागुआ की सरकार ने अमेरिकी राज्यों के संगठन (ओएएस) से हटने का एलान किया थ्ला। बता दें कि ओएएस एक क्षेत्रीय निकाय है जिसने राष्ट्रपति डेनियल ओर्टेगा की सरकार पर चुनाव में धांधली और दमन का आरोप लगाया। निकारागुआ के विदेश मंत्री डेनिस मोनकाडा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने ओएएस महासचिव लुइस अल्माग्रो को निकारागुआ में निकाय के बार-बार हस्तक्षेप देने को लेकर आधिकारिक पत्र लिखा है।

सुबह के मुकाबले दोपहर में कोविड रोधी वैक्सीन लगवाना ज्यादा बेहतर, अलग-अलग समय में टीके की प्रतिक्रियाएं भिन्न

बोस्टन। विज्ञानियों ने एक हालिया अध्ययन में पाया है कि सुबह के मुकाबले दोपहर में कोविड वैक्सीन लगवाना ज्यादा फायदेमंद होता है। दोपहर में एंटीबाडी का स्तर अधिक होता है। बायोलाजिकल रिदम नामक पत्रिका में प्रकाशित यह अध्ययन बताता है कि 24 घंटे में शरीर के अंदर कई बदलाव होते हैं, इनमें संक्रामक रोगों के खिलाफ प्रतिक्रिया और टीकाकरण भी शामिल है। अमेरिका के मैसाचुसेट्स जनरल हास्पिटल (एमजीएच) से संबद्ध और अध्ययन की वरिष्ठ लेखिका एलिजाबेथ क्लेरमैन के अनुसार, हमारा विश्लेषणात्मक अध्ययन इस अवधारणा को प्रमाण उपलब्ध कराता है कि दिन के अलग-अलग समय में कोविड-19 वैक्सीन की प्रतिक्रिया भिन्न होती है। यह अध्ययन वैक्सीन के प्रभाव का निर्धारण करने में मददगार साबित हो सकता है।'

शोधकर्ताओं ने पाया कि कई बीमारियों के लक्षण और दवाओं की प्रतिक्रिया दिन के समय में भिन्न होती है। उदाहरण के लिए, फेफड़े की बीमारियों से पीड़ितों को दिन के एक निश्चित समय में ज्यादा परेशानी होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इन्फ्लूएंजा वैक्सीन लेने वाले बुजुर्ग पुरुषों के एक अध्ययन से पता चला कि जब उन्हें दोपहर की तुलना में सुबह टीका लगाया गया तो उनमें एंटीबाडी का स्तर अपेक्षाकृत कम था।

ताइवान स्ट्रेट पर चीन ने बढ़ाई सैन्य गतिविधियां, लेटेस्ट बमवर्षक विमान एच-6जे का हो रहा खास अभ्यास

बीजिंग। ताइवान और चीन का विवाद लगातार बढ़ता ही जा रहा है। चीन ने ताइवान स्ट्रेट के पास अपनी सेना और सैन्य गतिविधियों को बढ़ा दिया है। चीन ने यह कदम अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को ताइवान स्ट्रेट में हस्तक्षेप करने से रोकने और अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए उठाया है।

ताइवान स्ट्रेट पर कर रहा अभ्यास- चीन ताइवान स्ट्रेट के पास चीनी जहाज से बम गिरा रहा है और अपने सैनिकों को ट्रैनिंग देने के लिए लाइव-फायर का अभ्यास भी कर रहा है। साथ ही दक्षिण चीन सागर के क्षेत्रों में समुद्री खदानें बिछा रहा है। चीन के सबसे लेटेस्ट बमवर्षक विमान एच-6जे ने ज्यादा विस्फोटक हवाई बमों का इस्तेमाल करके लाइव-फायर में एक क्रम के तहत बम गिराने और समुद्री खदान बिछाने का एक साथ अभ्यास भी किया।

अमेरिकी नौसैना के आगे कमजोर एच-6जे

क्रिस ओसबोर्न ने कहा कि एच-6जे जैसा एक बमवर्षक विमान अमेरिकी नौसैना की पांचवीं पीढ़ी के विमान से जहाज लान्च होने के बाद बहुत ही कमजोर होगा। इसे ड्रोन और नेटवर्क ग्राउंड सर्विलांस सिस्टम के माध्यम से आसानी से देखा जा सकता है। राष्ट्रीय हित के अनुसार एच-6जे जैसा बड़ा बमवर्षक विमान सतह के जहाजों से आने वाली विमान-रोधी आग की चपेट में आ सकता है। यह इस बात पर निर्भर है कि एच-6जे तटीय क्षेत्रों में खदानों को बिछाने के लिए कितनी कम ऊंचाई पर उड़ता है।

ताइवान स्वतंत्रता मतलब युद्ध

आपको बता दें कि चीन और ताइवान अलग-अलग शासित देश हैं। सात दशकों से अलग-अलग शासित होने के बावजूद चीन ने कहा कि ताइवान स्वतंत्रता का मतलब युद्ध है। 1 जून को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने स्व-शासित ताइवान को एक बार फिर चीन के साथ जोड़ने का संकल्प लिया। साथ ही उन्होंने ताइवान की ओर से स्वतंत्रता के लिए किए जाने वाली सभी कोशिशों को खत्म करने की बात भी कही ।

संयुक्त राष्ट्र महासभा: अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को मिला आब्जर्वर का दर्जा, तिरुमूर्ति बोले- ऐतिहासिक निर्णय

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आइएसए) को आब्जर्वर का दर्जा दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने ट्वीट करके ये जानकारी दी। टी एस तिरुमूर्ति ने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए कहा कि आइएसए वैश्विक ऊर्जा बढ़ोतरी और विकास के लिए साझेदारी के माध्यम से सकारात्मक वैश्विक जलवायु कार्रवाई का एक उदाहरण बन गया है।

तिरुमूर्ति ने अपने ट्वीट में लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को आब्जर्वर का दर्जा देने का संयुक्त राष्ट्र महासभा ने

ऐतिहासिक निर्णय लिया है। छह वर्षों में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन वैश्विक ऊर्जा विकास और वृद्धि के लाभ के लिए साझेदारी के माध्यम से सकारात्मक वैश्विक जलवायु कार्रवाई का एक उदाहरण बन गया है। सभी सदस्य देशों को धन्यवाद।'अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आइएसए) की चौथी आम सभा इससे पहले अक्तूबर में आयोजित की गई थी। जिसमें कुल 108 देशों ने हिस्सा लिया। इनमें 74 सदस्य देश और 34 आब्जर्वर और संभावित देश शामिल हैं। 23 सहयोगी संगठन और 33 विशेष आमंत्रित संगठन भी शामिल हुए थे। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आइएसए) का एलान प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद ने नवंबर 2015 में पेरिस में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के 21 वें सत्र में की था।

ट्यूनीशिया की इस्लामी पार्टी के मुख्यालय में आग लगी, 1 व्यक्ति की मौत 18 अन्य घायल

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया की सबसे बड़ी इस्लामी पार्टी के यहां स्थित मुख्यालय में आग लग गई जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। पार्टी और अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घायलों में एक पूर्व प्रधानमंत्री भी हैं जो खिड़की से बाहर कूदने के बाद चोटिल हो गए। एन्नाहधा मूवमेंट ने एक बयान में कहा कि पार्टी कार्यकर्ता समी सिफी (51) की मौत हो गई और कई कर्मचारी तथा नेता घायल हो गए। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है।

दर्दनाक हादसा: मैक्सिको में बेकाबू ट्रक ने पैदल यात्रियों को रौंदा, 53 लोगों की मौत, 50 से ज्यादा लोग घायल

मैक्सिको। दक्षिणी मैक्सिको में देर रात भीषण हादसा हुआ। एक बेकाबू ट्रक ने भीड़ वाली सड़क पर लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में अभी तक 53 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। यह दर्दनाक हादसा चियापास राज्य की राजधानी जाने वाली सड़क पर हुआ। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मालवाहक ट्रक जैसे ही पुल पर चढ़ा कि ड्राइवर ने अपना नियंत्रण खो दिया। जिससे सड़क किनारे चल रहे लोगों को रौंदते हुए डिवाइडर से टकरा गया। बताया जा रहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। चियापास राज्य नागरिक सुरक्षा कार्यालय के प्रमुख लुइस मैनुअल मोरेनो ने बताया कि मरने वालों और घायलों में ज्यादातर मध्य अमेरिका के अप्रवासी हैं, हालांकि उनकी राष्ट्रीयता की अभी पुष्टि नहीं हुई।

मोरेनो ने बताया कि बचे हुए लोगों में से कुछ ने कहा कि वे पड़ोसी देश ग्वाटेमाला से हैं।

पुल से टकराने के बाद गिरा ट्रक- मोरेनो ने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ट्रक इंसानों के भारी वजन के कारण पलट गया और जैसे ही वाहन उसके ऊपर से गिरा, वह स्टील के पैदल पुल से टकरा गया। गौरतलब है कि हाल ही में मैक्सिकन अधिकारियों ने प्रवासियों को अमेरिकी सीमा की ओर बड़े समूहों में जाने से रोका था, लेकिन प्रवासी तस्करी का गुप्त और अवैध प्रवाह जारी है।

अफगानिस्तान में अलकायदा की संख्या 'थोड़ी' बढ़ी है : अमेरिकी कमांडर

वाशिंगटन। अमेरिका की सेना के अगस्त के अंत में अफगानिस्तान से जाने के बाद वहां आतंकवादी समूह अलकायदा के आतंकवादियों की संख्या थोड़ी बढ़ी है और देश के नए तालिबान नेता इस बात को लेकर बंटे हुए हैं कि समूह के साथ संबंध तोड़ने के संबंध में 2020 में किए गए संकल्प को पूरा किया जाए या नहीं। अमेरिका के एक शीर्ष कमांडर ने यह बात कही। यूएस सेंट्रल कमान के प्रमुख मरीन जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने कहा कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य और खुफिया एजेंसियों के चले जाने से अफगानिस्तान के अंदर अलकायदा और अन्य चरमपंथी समूहों पर नजर बनाए रखना बहुत कठिन हो गया है।

मैकेंजी ने अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन में कहा कि यह स्पष्ट है कि

अलकायदा अफगानिस्तान के अंदर अपनी मौजूदगी को फिर से मजबूत बनाने का प्रयास कर रहा है, जहां से उसने 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका के खिलाफ हमलों की साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि कुछ आतंकवादी अफगानिस्तान की सीमा से देश में आ रहे हैं, लेकिन अमेरिका के लिए इनकी संख्या पर नजर रखना कठिन है।

अमेरिका में 11 सितंबर को हुए आतंकवादी हमलों के बाद अमेरिका ने करीब 20 साल तक अफगानिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का नेतृत्व किया और तालिबान को सत्ता से हटाने में सफल रहा, लेकिन आखिरकार तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया। अप्रैल में राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा की कि थी वह अफगानिस्तान से पूरी तरह से सेना को हटा रहे रहे हैं।

ब्रिटेन में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या हुई दोगुनी

लंदन। ब्रिटेन में संक्रमण के और 249 नए मामले सामने आने के साथ कोविड-19 के ओमीक्रोन स्वरूप के मामले एक दिन में करीब दोगुने हो गए। इसके साथ ही, देश में ओमीक्रोन के कुल मामलों की संख्या बढ़ कर 817 हो गई। ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी

(यूकेएसएचए) ने कहा कि यदि वृद्धि दर और मामले दोगुने होने में लगने वाला समय ऐसा ही रहा तो वे अगले दो चार हफ्तों में कोरोना वायरस के कम से कम 50 प्रतिशत मामले ओमीक्रोन स्वरूप के देख सकते हैं। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इससे पहले कहा था कि ओमीक्रीन के मामलों के दोगुने होने की अवधि दो से तीन दिन के बीच हो सकती है। यूकेएसएचए मुख्य चिकित्सा सलाकार डॉ सुसान होपकिंस ने कहा, ''यह प्रमाण बढ़ता जा रहा है कि ओमीक्रोन अत्यधिक संक्रामक है। हम संक्रमण की चेन तोड़ने और नये स्वरूप के प्रसार को रोकने के लिए हर चीज करेंगे। '

ओमिक्रान के खिलाफ उपयोगी साबित हो सकता है 'लेबोरेटरी डाटा'- डब्ल्यूएचओ

न्यूयॉर्क। दुनियाभर में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट 'ओमिक्रान' का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में इससे निपटने के लिए सभी देश अपने स्तर पर तैयारी में जुटा हुआ है। अब दुनिया भर में ओमिक्रान वैरिएंट प्रसार के बीच संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी की तरफ से कहा गया है कि नए वैरिएंट के खिलाफ प्रारंभिक प्रयोगशाला डेटा उपयोगी है, लेकिन यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि ये कितने प्रभावी होंगे।

संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी

के पैनल ने कहा कि कोरोना के नए वैरिएं के खिलाफ मौजूदा टीकों की प्रभावशीलता पर प्रारंभिक प्रयोगशाला डेटा उपयोगी है, लेकिन यह अभी ये साफ नहीं है कि ये कितने प्रभावी होंगे। गंभीर रूप से बीमार मरीजों का इलाज कर रहे हैं। बता दें कि यह बयान ऐसे समय में आया है जब कहा जा रहा है जिस शख्स ने कोरोना वैक्सीन की दोनो डोज ली हुई है उसको छह महीने तक ओमिक्रान का खतरा कम है।

डब्ल्यूएचओ में टीकाकरण, टीके और जैविक विज्ञान विभाग के निदेशक डॉ केट ओ 'ब्रायन ने कहा, 'निष्क्रियता डेटा में एक आधार है, लेकिन यह वास्तव में नैदानिक डेटा है जो ओमिक्रान से लड़ने में सहायता प्रदान कर सकता है।

न्यूजीलैंड में आजीवन सिगरेट नहीं खरीद सकेंगे युवा, सरकार लगाएगी प्रतिबंध

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने धूमपान की लत से देश के भविष्य को बचाने के लिए अनूठी योजना बनाई है। सरकार 14 या उससे कम उम्र के युवाओं के सिगरेट खरीदने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के लिए कानून लाने जा रही है। इस कानून को अगले साल तक लागू किया जा सकता है। कानून के तहत सिगरेट खरीदने की न्यूनतम आयु भी साल दर साल बढ़ाई जाती रहेगी। सरकार का तर्क है कि कानून लागू होने के 65 साल बाद दुकानदार सिर्फ 80 वर्ष की उम्र से ज्यादा वालों को ही सिगरेट बेच सकेंगे।

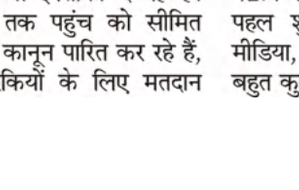

सरकार का लक्ष्य 2025 तक देश में धूमपान करने वालों की संख्या पांच प्रतिशत कम करना भी है। सरकार ने कहा कि धूमपान को कम करने के अन्य प्रयासों में बहुत लंबा समय लग रहा है। सरकार का लक्ष्य तंबाकू बेचने और सभी उत्पादों में निकोटीन के स्तर में कटौती करना है। देश में हर साल धूमपान से पांच हजार लोगों की मौत होती है। न्यूजीलैंड की एसोसिएट स्वास्थ्य मंत्री ने एक कहा, 'हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि युवा कभी धूमपान शुरू न करें। लिहाजा हम युवाओं के नए समूहों को धूमपान करने वाले तंबाकू उत्पादों को बेचना या आपूर्ति करने को अपराध बना देंगे। यहां की सरकारके अनुसार बीते दशक में धूमपान की दर में गिरावट आई है। फिलहाल, न्यूजीलैंड में 18 साल से कम उम्र के लोगों को तंबाकू बेचने पर रोक है। यदि कुछ भी नहीं बदलता है, तो फिर धूमपान दर 5 फीसद से कम होने तक दशकों लगेंगे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, न्यूजीलैंड में 15 साल से अधिक उम्र के लोग 11.6 फीसद धूम्रपान करते हैं। साल 2022 के अंत तक इसे कानून बनाने के मकसद से सरकार अगले साल जून में संसद में कानून पेश करने करेगी।

बाइडन ने नेताओं से ''लोकतंत्र का अवमूल्यन'' न करने का आग्रह किया

वाशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडन ने समूचे विश्व में लोकतंत्र के ''अवमूल्यन'' पर चिंता व्यक्त की और साथी विश्व नेताओं से लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने के लिए उनके साथ काम करने का आह्वान किया। बाइडन ने यह बात चीन और रूस की तरफ से वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने के प्रयासों के मद्देनजर कही जो उनके प्रशासन के लिए चिंता का बड़ा कारण बना हुआ है।

व्हाइट हाउस के पहले 'लोकतंत्र के लिए ऑनलाइन सम्मेलन' में 100 से अधिक नेताओं के लिए बाइडन की टिप्पणियां ऐसे वक्त में आई हैं जब नेताओं ने लोकतंत्र के सामने आ रही भ्रष्टाचार, असमानता और प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश जैसी कई चुनौतियों की ओर इशारा किया।

नेताओं ने दुष्प्रचार और निरंकुशता को बढ़ावा देने के खतरों के बारे में भी चिंता व्यक्त की।

बाइडन ने पूछा, 'क्या हम अधिकारों और लोकतंत्र के अवमूल्यन को अनियंत्रित रूप से जारी रहने देंगे? या हम साथ मिलकर एक दृष्टिकोण बनाएंगे और एक बार फिर मानव प्रगति और मानव स्वतंत्रता की यात्रा को आगे बढ़ाने का साहस दिखाएंगे?'

उन्होंने चीन और रूस का नाम लिये बिना बार-बार यह बात उठाई कि अमेरिका और समान विचारधारा वाले

सहयोगियों को दुनिया को यह दिखाने की जरूरत है कि लोकतंत्र निरंकुशता की तुलना में समाज के लिए एक बेहतर माध्यम है। यह बाइडन की विदेश नीति के दृष्टिकोण का एक केंद्रीय सिद्धांत है - एक ऐसी प्रतिबद्धता है जिसे वह अपने पूर्ववर्ती ट्रंप के 'अमेरिका फर्स्ट' दृष्टिकोण की तुलना में अधिक समावेशी बताते हैं।

बाइडन ने रेखांकित किया कि अमेरिका जैसे लंबे समय से स्थापित लोकतंत्र भी इस अवमूल्यन से अछूते नहीं हैं, और उन्होंने इस क्षण को 'इतिहास में परिवर्तन बिंदु' कहा।

उन्होंने कहा कि स्कूल बोर्ड की बैठकों, चुनाव कार्यालयों और टाउन हॉल में असंतोष के साथ टकराव के बीच स्थानीय निर्वाचित अधिकारी खतरनाक दर से इस्तीफा दे रहे हैं। राज्य मतपत्र तक पहुंच को सीमित करने के लिए कानून पारित कर रहे हैं, जिससे अमेरिकियों के लिए मतदान करना अधिक कठिन हो गया है। और छह जनवरी को कैपिटल में हुए हमले ने डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कई लोगों को चुनाव में हुई चोरी के झूठे दावों पर कायम रखा और वोट की सटीकता में लोगों के विश्वास को क्षीण किया। बाइडन ने कहा, 'हम जानते हैं कि हमारे लोकतंत्र और हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता है।+राष्ट्रपति ने घोषणा की कि वह दुनिया भर में ऐसे कार्यक्रमों के लिए 42.4 करोड़ डॉलर तक खर्च करने की पहल शुरू कर रहे हैं जो स्वतंत्र मीडिया, भ्रष्टाचार रोधी कार्यों और अन्य बहुत कुछ का समर्थन करते हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंस की अमेरिका के मुख्य विरोधियों और अन्य देशों ने आलोचना की जिन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था। अमेरिका में चीन और रूस के राजदूतों ने एक संयुक्त लेख लिखा जिसमें बाइडन प्रशासन को 'शीत-युद्ध की मानसिकता' का प्रदर्शन करने वाला बताया गया, जो 'वैचारिक टकराव को हवा देगा और दुनिया में दरार पैदा करेगा।'

प्रशासन को इस बात को लेकर भी आलोचना का सामना करना पड़ा कि उसने किस आधार पर देशों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया। चीन और रूस उनमें से थे जिन्हें आमंत्रित नहीं किया गया।

खत्म हुआ कप्तानी का 'विराट' युग, 42 साल पहले भी हुआ था कुछ ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

क्या रोहित शर्मा के कप्तानी संभालने से बदल जाएगी भारतीय टीम की किस्मत ? क्या आगामी टी20 विश्व कप और विश्व कप का खिताब उठा पाएगा भारत ? तरह-तरह के सवालों के बीच हम आपको बताएंगे कि विराट कोहली को आखिरी कप्तानी से क्यों हटाया गया। अगले साल ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप होना है और फिर घरेलू जमीं पर विश्व कप खेला जाएगा। ऐसे में रोहित शर्मा की अगुवाई और राहुल द्रविड़ की रणनीति के तहत टीम को तैयार किया जाएगा। कहा जा रहा है कि सफेद गेंद में दो कप्तान नहीं रखे जा सकते थे। ऐसे में कोहली ने खुद ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है और अगर ऐसा है तो फिर अपने चिर-प्रतिद्वंद्वियों से क्यों नहीं सीखते हैं। सभी ने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया अपने तीनों फॉर्मेट में अलग-अलग कप्तान रख चुका है। 42 साल पहले भी ऐसा ही कुछ देखा गया था जब श्रीनिवास वेंकटराघवन को कप्तानी से जल्दबाजी में हटाया गया था। ऐसे में साल 1979 में इंग्लैंड दौरे के दौरान श्रीनिवास वेंकटराघवन से टेस्ट की कप्तानी लेकर सुनील गवास्कर को सौंप दी गई थी।

खत्म हुआ कप्तानी का 'विराट' युग

बीसीसीआई ने विराट कोहली को वनडे की कप्तानी से हटाकर रोहित शर्मा को यह जिम्मेदारी सौंप दी है। जिससे विराट कोहली के प्रशंसक काफी आहत हुए हैं। वहीं न्यूज एजेंसी 'भाषा' की रिपोर्ट में तो चौंका देने वाली बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने विराट कोहली को स्वेच्छा से वनडे की कप्तानी छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय दिया था लेकिन विराट ने कप्तानी नहीं छोड़ी। जिसके बाद बीसीसीआई ने विराट से कप्तानी छीनकर रोहित को जिम्मेदारी सौंप दी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक चयन समिति ने रोहित शर्मा को वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों का कप्तान बनाने का फैसला किया। माना जा रहा है कि विराट कोहली साल 2023 में भारत में होने वाले विश्व कप की अगुवाई करना चाहते थे लेकिन टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के चलते उनके स्थान पर रोहित शर्मा को कप्तान बना दिया गया। भारत के लिए टी20 विश्व कप 2021 अच्छा नहीं था। ऐसे में विराट कोहली को कप्तानी से हटाया जाना तय माना जा रहा था और अब ऐसा हुआ भी। बीसीसीआई अधिकारी पिछले साढ़े चार सालों से टीम की कप्तानी कर रहे कोहली को सम्मानजनक रास्ता देना चाहते थे। लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

विराट कोहली ने बतौर कप्तान 95 मैचों में 72.65 के औसत से 5449 रन बनाए हैं। जिसमें 21 शतकीय और 27 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं। साल 2017 में महेंद्र सिंह धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद विराट कोहली के कप्तानी युग की शुरुआत हुई थी और उन्होंने 95 मुकाबलों में से 65 में जीत दर्ज की और 27 में हार का सामना करना पड़ा।

सफेद गेंद में नहीं रख सकते दो कप्तान

विराट कोहली को अचानक क्यों हटाया गया ? उठ रहे इस तरह के सवालों से बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली ने पर्दा उठा दिया है। उन्होंने बताया कि जब विराट कोहली ने टी20 कप्तान के तौर पर बने रहने से इनकार कर दिया था तो चयनकर्ताओं ने रोहित शर्मा को वनडे टीम की कमान सौंपने का मन बना लिया था क्योंकि टीम सीमित ओवर के प्रारूप में दो अलग कप्तान नहीं रख सकती थी।

सौरव गांगुली ने कहा कि चयनकर्ताओं को लगा कि सफेद गेंद के प्रारूप में कई कप्तानों से उलझन हो जाएगी। ऐसे में चेतन शर्मा की अगुआई वाली समिति ने सुझाव दिया कि बेहतर होगा कि एक ही कप्तान रहे। गांगुली ने कहा, ''मैं नहीं जानता लेकिन उन्हें यही लगा। इसी तरह इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया कि रोहित सफेद गेंद और विराट लाल गेंद के क्रिकेट की कप्तानी करें।

आपको बता दें कि विराट कोहली टेस्ट की कप्तानी करते रहेंगे। लेकिन उपकप्तान रहे अजिंक्य रहाणे से जिम्मेदारी वापस लेकर रोहित शर्मा को सौंप दी गई है। ऐसे में कोहली की गैर मौजूदगी में टेस्ट टीम की कप्तानी रोहित शर्मा कर सकेंगे। फिलहाल वो टेस्ट टीम के उपकप्तान बन गए हैं।

मुक्केबाजी सहित इन तीन खेलों पर ओलंपिक 2028 से बाहर होने का खतरा

जेनेवा। (एजेंसी)।

मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और मॉडर्न पेंटाथलान को लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में अपना स्थान बरकरार रखने के लिये 18 महीने के अंदर अपनी व्यवस्था में सुधार करने के लिये कहा गया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने मुक्केबाजी और भारोत्तोलन के शासी निकायों के बारे में कहा कि वे हमेशा समस्याएं पैदा करते हैं। उन्होंने इन खेलों में नेतृत्व से जुड़े मसलों तथा भ्रष्टाचार और डोपिंग के मुद्दों पर चिंता व्यक्त की। मॉडर्न पेंटाथलान को आईओसी ने अपनी स्पर्धाओं से घुड़सवारी को हटाने के लिये कहा है जिस पर खिलाड़ियों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इन तीनों खेल को ओलंपिक 2028 के कार्यक्रम की शुरुआती सूची में शामिल नहीं किया गया है। इस कार्यक्रम को मंजूरी के लिये फरवरी में आईओसी सदस्यों के सामने रखा जाएगा।

सूची में स्केटबोर्डिंग, सर्फिंग और स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग शामिल हैं। ये तीनों खेल पहली बार तोक्यो ओलंपिक में शामिल किये गये थे। इससे वे भविष्य में ओलंपिक प्रसारण कार्यक्रम से होने वाली आय हासिल करने के हकदार भी बन जाएंगे जो प्रति खेल कम से कम एक करोड़ 50 लाख डॉलर है। जिन तीन खेलों को हटाया गया है उनके पास अब भी सूची में शामिल होने का मौका रहेगा। बाक ने कहा कि उन्हें आईओसी कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों को अपने खेल के शासन और संगठनात्मक संस्कृति में बदलावों से संतुष्ट करना होगा। फुटबॉल को लॉस एंजिल्स के कार्यक्रम में रखा गया है लेकिन बाक ने फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा को प्रत्येक चार साल के बजाय दो साल में विश्व कप आयोजित करने की योजना के कारण नोटिस पर रखा है। हर दो साल में विश्व कप के आयोजन से इस टूर्नामेंट का लॉस एंजिल्स खेलों से सीधे टकराव होगा। इस बीच पेरिस ओलंपिक 2024 के आयोजकों ने बेसबॉल, सॉफ्टबॉल और कराटे के लिये अनुरोध नहीं किया है। इन खेलों में स्केटबोर्डिंग, सर्फिंग और स्पोर्ट्स क्लाइबिंग के अलावा ब्रेकडांसिंग भी शामिल होगा।

एशेज पहला टेस्टः तीसरे दिन का खेल खत्म, इंग्लैंड का स्कोर 220/2, कप्तान रूट और मलान क्रीज पर मौजूद

ब्रिस्बेन (एजेंसी)।

डेविड मलान और कप्तान जो रूट की शानदार नाबाद पारी की वजह से इंग्लैंड ने गाबा में पहले एशेज टेस्ट के तीसरे दिन वापसी की, क्योंकि खेल खत्म होने तक इंग्लैंड का स्कोर 220/2 तक पहुंच गया और अब ऑस्ट्रेलिया से महज 58 रनों से पीछे है।

मलान (नाबाद 80) और रूट (नाबाद 86) के बीच 159 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। आज के दिन जब ऑस्ट्रेलिया ने 278 रनों की बढ़त लेने के बाद, इंग्लैंड ने मैच में वापसी करने में कामयाबी हासिल की। 21 ओवर के बाद जब रूट और मलान बल्लेबाजी करने उतरे तो इंग्लैंड का स्कोर 61/2 था। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने पहला विकेट लिया, जिन्होंने रोरी बर्न्स को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच आउट कराया था और हसीब हमीद 21वें ओवर में मिशेल स्टार्क की गेंद पर पवेलियन लौट गए थे।

इसके बाद, चाय काल से पहले रूट और मलान ने 90 गेंदों पर 46 रन जोड़कर मैदान पर डटे रहे। इस दौरान, दोनों ने संभलकर टीम के लिए रन जोड़े। हालांकि दोनों को

भाग्य का सहारा भी मिला। इस साझेदारी के कारण इंग्लैंड ने अंतिम सत्र में बिना विकेट गंवाए 113 रन बनाए। साथ ही, रूट ने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने के मामले में पूर्व कप्तान माइकल वॉन को पीछे छोड़ दिया।ऑस्ट्रेलिया का कोई भी गेंदबाज मलान और कप्तान रूट को आउट नहीं कर पाए। लेकिन अब ऐसा लगता है कि चौथे दिन दूसरी नई गेंद ऑस्ट्रेलिया को सफलता दिला सकती है।

इससे पहले, दिन की शुरुआत करते हुए ट्रेविस हेड ने 112 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और क्रिस वोक्स की गेंद पर बाउंड्री लगाते हुए तीसरे दिन भी तेजी से अपने खेल को जारी रखा। दूसरी तरफ स्टार्क ने भी वोक्स, ओली रॉबिन्सन और मार्क वुड के खिलाफ चौथे लगाए। इस बीच, हेड आक्रामक रूप से खेलते हुए अपने 150 रन पूरे कर लिए। लेकिन, वुड की एक यॉर्कर गेंद पर हेड (152) रन बनाकर बोल्ड हो गए, इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया 104.3 ओवर में 425 रन पर ऑल् आउट हो गया। स्टार्क (85 रन) और लियोन (29 रन) के रनों की बदौलत कंगारूओं ने इंग्लैंड पर 278 रन की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली।

संक्षिप्त स्कोरः

इंग्लैंड 147 और 70 ओवर में 220/2 (जो रूट 86 नाबाद, डेविड मालन 80 नाबाद, पैट कमिंस 1/43, मिशेल् स्टार्क 1/60) ऑस्ट्रेलिया 104.3 ओवर में 425/10 (ट्रैविस हेड 152, डेविड वार्नर 94, ओली रॉबिन्सन 3/58, मार्क वुड 3/85)।

विजय हजारे ट्रॉफीः तिलक वर्मा के शतक से हैदराबाद ने दिल्ली को हराया

मोहाली। (एजेंसी)।

शीर्षक्रम के बल्लेबाज डी टी तिलक वर्मा के 123 गेंद में 139 रन की मदद से हैदराबाद ने विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप सी के मैच में दिल्ली को 79 रन से हरा दिया। वर्मा ने अपनी पारी में सात चौके और आठ छक्के लगाये। उन्होंने चंदन साहनी के साथ चौथे विकेट के लिये 152 रन की साझेदारी की। साहनी ने 74 गेंद में 87 रन बनाये। हैदराबाद ने 50 ओवर में छह विकेट पर 325 रन बनाये।

जवाब में दिल्ली की टीम नौ विकेट पर 249 रन ही बना सकी। कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक तक भी नहीं पहुंच पाया। हिम्मत सिंह ने 47 और अनुत रावत ने 36 रन का योगदान दिया। हैदराबाद के लिये बायें हाथ के स्पिनर तनय त्यागराजन ने 33 रन देकर तीन विकेट लिये। ग्रुप के अन्य मैच में झारखंड ने उत्तर प्रदेश को आठ विकेट से हराया। वहीं सौराष्ट्र ने हरियाणा को पांच विकेट से मात दी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में जोकोविच के खेलने पर सस्पेंस बरकरार

मेलबर्न। नोवाक जोकोविच के 17 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेलने पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। अभी तक ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों को पुष्टि नहीं की है कि उन्होंने कोविड-19 का वैक्सीन लिया है या नहीं, क्योंकि बिना टीकाकरण वाले खिलाड़ी टूर्नामेंट में भाग नहीं ले सकेंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट के निदेशक क्रेग टिली ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें नौ बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैम्पियन जोकोविच को चिकित्सकीय छूट दिए जाने की बात कही गई थी। टिली ने कहा कि यह कहना वास्तव में मुश्किल है कि क्या जोकोविच ऑस्ट्रेलिया ओपन टूर्नामेंट में खेलेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी का नाम 104 पुरुष खिलाड़ियों की सूची में था। लेकिन अभी भी उनके खेलने पर संदेह बना हुआ है।

रमीज राजा ने की कप्तान बाबर आजम की तारीफ, बताया पाकिस्तान टीम की सफलता का राज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने कहा कि कप्तान बाबर आजम को सशक्त बनाने और बेफिक्र रवैया अपनाने से पाकिस्तान को पिछले दो महीनों में संयुक्त अरब अमीरात और बांग्लादेश में सफलता हासिल करने में मदद मिली। पाकिस्तान ने पिछले नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय में से आठ में जीत दर्ज की जिनमें आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण के सभी मैचों में जीत शामिल है। इसके अलावा उसने बांग्लादेश में दोनों टेस्ट मैच जीते। राजा ने पीसीबी डिजीटल से कहा, ''मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि नेतृत्व मायने रखता है। जब आप नेतृत्वकर्ता को सशक्त बनाते हैं और उसे आत्मविश्वास देते हैं तो वह निर्णय, टीम, प्रदर्शन से लेकर खराब खेल की जिम्मेदारी लेता है।

वह साहसी बन जाता है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने बाबर आजम और टीम से कहा कि वे परिणाम को लेकर चिंता न करें विशेषकर भारत के खिलाफ मैच से पहले। जैसे मैंने कहा था कि मैं पाकिस्तान क्रिकेट का जीपीएस ठीक करना चाहता हूं। इसका मतलब था कप्तान को सशक्त बनाना और बेफिक्र क्रिकेट खेलना। इसी का नतीजा है कि आप टीम के दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव देख रहे हैं।'' पाकिस्तान को पिछले नौ टी20 में एकमात्र हार आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में मिली थी। उसने बांग्लादेश में दोनों टेस्ट मैच जीतकर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 24 महत्वपूर्ण अंक हासिल किये।

एशिया कप और कैंप के लिए समिति ने की भारतीय अंडर-19 टीम की घोषणा

मुंबई (एजेंसी)।

बीसीसीआई की अखिल भारतीय जूनियर चयन समिति ने 23 दिसंबर से यूएई में खेले जाने वाले एसीसी अंडर-19 एशिया कप के लिए 20 लोगों की भारतीय अंडर-19 टीम का चयन किया है। वहीं, चयनकर्ताओं ने एसीसी आयोजन से पहले 11-19 दिसंबर तक बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में खेले जाने के लिए 25 सदस्यीय टीम की भी घोषणा की है।

अगले साल जनवरी और फरवरी में वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले आईसीसी पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा जल्द की जाएगी। भारत अंडर-19 एशिया कप टीमः हरनूर सिंह पन्नू, अंगक्रिश रघुवंशी, अंश गोसाई, एसके रशीद, यश ढुल (कप्तान), अनेश्वर गौतम, सिद्धार्थ यादव, कौशल तांबे, निशांत सिंधु, दिनेश बाना (विकेटकीपर), आराध्या यादव (विकेटकीपर), राजंगद बावा, राजवर्धन हैंगरगेकर, गर्व सांगवान, रवि कुमार, रिशिथ रेड्डी, मानव पारख, अमृत राज उपाध्याय, विक्की ओस्तवाल, वासु वत्स

(फिटनेस मंजूरी के अधीन)। एनसीए में शामिल होने वाले स्टैंडबाय खिलाड़ी = आयुष सिंह ठाकुर, उदय सहारन, शाश्वत डंगवाल, धनुष गौड़ा, पीएम सिंह राठौर।

चोट से उबरने के बाद मेलबर्न एटीपी इवेंट में भाग लेंगे राफेल नडाल

मेलबर्न। स्पेन के महान टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल चोट से उबरने के बाद 4 जनवरी से शुरू होने वाले मेलबर्न में एटीपी 250 में वापसी करने के लिए तैयार हैं। नडाल चोट के कारण अगस्त से अपना 2021 सीजन नहीं खेल पाए थे। इसके साथ ही यूएस ओपन में भी भाग नहीं लिया था। नडाल एक अच्छे खिलाड़ी हैं, वे टेनिस में शानदार प्रदर्शन करते हैं। नडाल राउंड ऑफ 16 में लॉयड हैरिस के खिलाफ हार गए थे तब से इस साल के सिटी ओपन के बाद से उन्होंने भाग नहीं लिया, स्पेनिश सुपरस्टार एटीपी रैंकिंग में 4,875 प्वाइंट के साथ छठे नंबर पर हैं। एटीपी 250 में भाग लेने वाले अन्य खिलाड़ियों में अमेरिकी रेली ओपेल्का, कजाकिस्तान के स्टैंडआउट अलेक्जेंडर बुब्लिक और यूएस ओपन क्वार्टर फाइनलिस्ट बॉटिक वैन डी जैंडशुल्प शामिल हैं। वहीं, फ्रांसीसी स्टार गेल मोनफिल्स एडिलेड भी एटीपी 250 में नेतृत्व करेंगे, जिसमें पूर्व विश्व नंबर 3 खिलाड़ी मारिन सिलिच भी शामिल होंगे।

एशेज के दूसरे टेस्ट में वार्नर की जगह ख्वाजा के खेलने की संभावना : पोंटिंग

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने उस्मान ख्वाजा का समर्थन करते हुए कहा कि अगर सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर चोट के कारण दूसरे टेस्ट नहीं खेल पाते हैं तो उनकी जगह ख्वाजा को टीम में मौका मिलने की संभावना है। गाबा में पहले टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते हुए दो बार चोट लगने के कारण वार्नर तीसरे दिन फिल्डिंग के लिए मैदान पर नहीं आए थे।

वार्नर ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहली पारी में 94 रनों की शानदार पारी खेली थी। पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलिया के एक क्रिकेट वेबसाइट को बताया, अगर (वार्नर) नहीं खेल पाते हैं तो मुझे लगता है कि शायद ख्वाजा को सलामी बल्लेबाजी के रूप में मौका मिल सकता है। हालांकि, उन्होंने क्वींसलैंड के लिए पिछले कुछ वर्षों से सलामी बल्लेबाजी नहीं की है। लेकिन, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए ऐसा किया है। साथ ही ख्वाजा एक अनुभवी खिलाड़ी हैं। वहीं, यह थोड़ा चिंता का विषय है कि उन्होंने काफी समय से ओपनिंग नहीं की है।मार्क वुड की गेंद पर वार्नर चोटिल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें स्कैन के लिए गुरुवार को भेजा गया था। हालांकि स्कैन में कोई गंभीर चोट होने की पुष्टि नहीं हुई है और ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद है कि वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने के लिए सक्षम होंगे।

मयंक अग्रवाल की टेस्ट में वापसी एक बड़ी उपलब्धिः संजय बांगर

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज कोच संजय बांगर का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में मयंक अग्रवाल की वापसी उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल ने वानखेड़े स्टेडियम में दूसरे टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया, खासकर तब जब टिम साउदी और एजाज पटेल शानदार गेंदबाजी कर रहे थे।

बांगर ने कहा मयंक अग्रवाल की बल्लेबाजी सराहनीय थी। उन्होंने बहुत अच्छे से वानखेड़े की पिच में मैच का मुकाबला किया, जिसमें बहुत अधिक उछाल था। जिस तरह से उन्होंने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी का सामना किया, वह बहुत सराहनीय था, क्योंकि साउदी ने अपनी आक्रामक गेंदबाजी से सभी बल्लेबाजों को क्रीज में परेशान किया था। पारी में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर एजाज पटेल के ओवर में काफी रन बनाए थे।

अग्रवाल को भारत की 150 और 62 रनों की शानदार पारियों के लिए 372 रन से मैच जीतने और 1-0 से सीरीज जीतने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया। रोहित शर्मा और केएल राहुल के चोट लगने के कारण वह टीम से बाहर थे, उनकी अनुपस्थिती में मयंक अग्रवाल को शुभमन गिल के साथ ओपनिंग करने का मौका मिला था। बांगर ने कहा मयंक अग्रवाल ने भारत के लिए 12 टेस्ट और 15 एकदिवसीय मैच खेले हैं। मुझे लगता है कि एजाज एक ऐसे गेंदबाज हैं जो बल्लेबाज को पिच के हिसाब से गेंद फेंकने में माहिर हैं। उनके ओवरों में मयंक अग्रवाल ने गेंद को अच्छे से समझा और क्रीज में अपने पैरों का इस्तेमाल करते हुए बल्ला चलाया। उन्होंने कई हवाई शॉट खेले।

मयंक ने पारी के दौरान लंबे शॉट भी खेले और जिस तरह से उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में वापसी की है, उससे मुझे लगता है यह मयंक अग्रवाल के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि कानपुर में अग्रवाल ने पारी के दौरान 13 और 17 रन के साथ खराब प्रदर्शन किया था और मुंबई में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। मुझे लगता है कि कानपुर और मुंबई के बीच का अंतर यह था कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी में काफी सुधार किया है, क्योंकि कानपुर में दोनों पारियों में वह उस तरह का प्रदर्शन नहीं दिखा पाए थे और जल्दी आउट हो गए थे।

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की सीरीज के लिए टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

किसान आंदोलन पर क्रेडिट-वॉर शुरु

कानून रद्द करने के लिए मैंने मनाया केंद्र को : कैप्टन

यह किसानों के संघर्ष की जीत : सीएम चन्नी

लुधियाना, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। किसान आंदोलन खत्म होते ही इसका क्रेडिट लेने की होड़ शुरू हो गई है। दिल्ली बॉर्डर पर बैठे किसानों की वापसी अगले दो-तीन दिनों में होनी है मगर पंजाब के नेता उससे पहले ही आमने-सामने हो गए हैं। इनमें सबसे आगे हैं पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह और मौजूदा मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी।

कांग्रेस छोड़ने के बाद पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) बना चुके कैप्टन अमरिंदर सिंह ने दावा किया है कि तीनों कृषि कानून वापस लेने के लिए उन्होंने केंद्र सरकार से लगातार बात की। पंजाब में सर्वदलीय बैठक बुलाई और अब उन्हीं के प्रयासों से किसान वापस लौट रहे हैं। उन्होंने ही मुख्यमंत्री रहते हुए आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों के परिवारों को मुआवजा और नौकरी देने की शुरुआत की। कैप्टन के इस दावे के बाद लुधियाना जिले के पायल में आयोजित सभा में मौजूदा सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने उन पर पलटवार किया। चन्नी ने आरोप लगाया कि महाराजा ने साढ़े चार साल कुछ नहीं किया। यह किसानों और उनके संघर्ष की जीत है। 700 लोगों की शहादत के बाद मोदी सरकार झुकी है। इसमें महाराजा को श्रेय देने की जरूरत नहीं है।

पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) के प्रमुख कैप्टन अमरिंदर सिंह ने दावा किया है कि उन्होंने पिछले 18 महीने में अलग-अलग लेवल पर किसान यूनियनों के अलावा केंद्र सरकार के साथ व्यक्तिगत रूप से बात की। उन्हें खुशी है कि किसानों की लड़ाई अंजाम तक पहुंच गई। पंजाब में उनकी सरकार ने जो फैसले लिए थे, अब यूपी और हरियाणा सरकारें उसका पालन करने को सहमत हो गई हैं। अब आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों के परिवारों को मुआवजा मिल जाएगा।

कैप्टन अमरिंदर सिंह के अनुसार, उन्होंने पंजाब का मुख्यमंत्री रहते हुए दिसंबर-2020 और जनवरी-2021 में आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद और उनके परिवारों के एक-एक मेंबर को नौकरी देने की घोषणा की थी। इसे अब यूपी और हरियाणा सरकार भी लागू करने जा रही है।

किसानों के प्रति अपनी पार्टी के समर्थन पर जोर देते हुए कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि वह हमेशा की तरह किसानों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए हरसंभव कोशिश करते रहेंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में भी उन्होंने कृषि कानूनों को निरस्त करने के लिए किसानों की लड़ाई का समर्थन किया। जून-2020 में उन्होंने ही सबसे पहले तीनों कानून रद्द करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई। उनकी अगुवाई वाली पंजाब सरकार ने तीनों कानूनों को खारिज करने का प्रस्ताव पंजाब विधानसभा में पारित कराया।

कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस दावे के बाद बारी पंजाब के मौजूदा सीएम चरणजीत सिंह चन्नी की थी। लुधियाना के पायल विधानसभा हलके में आयोजित कांग्रेस पार्टी की सभा में चन्नी ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को बार-बार महाराजा कहकर संबोधित किया। चन्नी ने कहा कि महाराजा ने साढ़े चार साल कुछ नहीं किया। पूरे समय सिर्फ ऐश परस्ती की। और अब कृषि कानून रद्द होने पर दोबारा मुख्यमंत्री बनना चाह रहे हैं।

चन्नी ने कहा कि तीनों कृषि कानूनों की वापसी किसानों के संघर्ष की जीत है। जिस भाजपा के साथ कैप्टन हाथ मिलाने जा रहे हैं, वह पंजाब की दुश्मन है। भाजपा की वजह से ही पंजाब के किसान एक साल तक बॉर्डर पर परेशान हुए। इससे पंजाब का आर्थिक नुकसान हुआ। किसानों की यह जीत 700 साथियों की शहादत के बाद आई है इसलिए इसका श्रेय किसी को नहीं दिया जा सकता।

चन्नी ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह, अकाली दल और और भाजपा के साथ मिले हुए हैं और पंजाब का नुकसान करने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

हरियाणा में बीजेपी-जजपा नेताओं के आए 'अच्छे दिन'?

जींद की किसान नेता ने की बहिष्कार खत्म करने की घोषणा

चंडीगढ़, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) द्वारा किसान आंदोलन समाप्त किए जाने की घोषणा के साथ ही जींद की एक किसान नेता ने कहा कि उन्होंने हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा-जजपा गठबंधन के नेताओं का बहिष्कार खत्म करने का निर्णय लिया है। किसान संगठन के नेताओं ने यह भी कहा कि वे वे केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर अपने साल भर के आंदोलन के बाद अपने घरों को लौटने वाले किसानों का गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान करने की तैयारी कर रहे हैं।

किसान नेता सिक्किम देवी ने कहा कि उन्होंने राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जननायक जनता पार्टी (जजपा) के नेताओं का बहिष्कार समाप्त करने का निर्णय लिया है। उन्होंने फोन पर कहा कि हमें अब कोई समस्या नहीं है और भाजपा-जजपा के नेता पहले की तरह अपने कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं।

किसान नेताओं ने केंद्र के तीन कृषि कानूनों के मुद्दे पर भाजपा-जजपा नेताओं के बहिष्कार की घोषणा की थी और सत्तारूढ़ गठबंधन के कई नेताओं को पिछले एक साल में विभिन्न आयोजनों के दौरान राज्य में विभिन्न स्थानों पर किसानों के विरोध का सामना करना पड़ा था।

किसान संगठन के नेताओं ने पहले कहा था कि वे उपमुख्यमंत्री और जजपा नेता दुष्यंत चौटाला को जींद जिले में उनके उचाना विधानसभा क्षेत्र के किसी भी गांव में अपने आंदोलन के तहत किसी भी सार्वजनिक समारोह में प्रवेश नहीं करने देंगे।

सिक्किम देवी ने यह भी कहा कि किसानों का उनके गांवों में भव्य स्वागत किया जाएगा और बाद में विरोध स्थलों से लौटने के बाद उन्हें उनके संबंधित गांवों में भी सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने आंदोलन में महिलाओं द्वारा निभाई गई भूमिका की भी सराहना की और कहा कि वे अपने पुरुष साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं।

किसान यूनियन के नेता आजाद पलवा ने भी एक बयान में कहा कि दिल्ली की सीमाओं पर विभिन्न विरोध स्थलों से लौटने वाले किसानों का जोरदार स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों का यह आंदोलन सदियों तक याद रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि जब किसान अपने गांव जाएंगे तो विभिन्न स्थानों पर लंगर की व्यवस्था की जाएगी। किसान नेताओं ने कहा कि किसान 11 दिसंबर को अपने-अपने स्थानों पर विजय मार्च निकालेंगे।

गौरतलब है कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने गुरुवार को एक साल से अधिक समय से चल रहे अपने आंदोलन को उस वक्त स्थगित करने की घोषणा की थी, जब उन्हें केंद्र सरकार से एक औपचारिक पत्र मिला था जिसमें प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने और एमएसपी पर उनकी प्रमुख लंबित मांगों को स्वीकार किया गया था।

आंदोलन को स्थगित करते हुए 40 किसान संगठनों वाले संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि किसान 11 दिसंबर को 'विजय दिवस' के रूप में मनाएंगे और विजय मार्च निकालेंगे, जिसके बाद वे घर जाएंगे। यह कहते हुए कि यह आंदोलन का अंत नहीं है, किसान नेताओं ने कहा कि वे 15 जनवरी को फिर मिलेंगे, यह देखने के लिए कि क्या सरकार ने मांगें पूरी की हैं।

दिल्ली कांग्रेस की केंद्र से अपील, सीडीएस बिपिन रावत को भारत रत्न से नवाजा जाए

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। तमिलनाडु में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में देश के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत व अन्य सैन्य बलों के जवानों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है। इसी बीच दिल्ली कांग्रेस ने केंद्र सरकार से सीडीएस बिपिन रावत को भारत रत्न से सम्मानित करने की अपील की है।

दरअसल देश से लेकर विदेश तक उनके व अन्य जवानों के निधन पर शोक जताया जा रहा है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने श्रंद्धाजलि देने के बाद मीडिया से कहा कि, पूरा देश सीडीएस रावत और अन्य सैन्य बलों के निधन से सदमें में हैं। देश के लिए यह एक बड़ी क्षति है। हम सभी उनके परिवार के संवेदना व्यक्त करते हैं। वहीं उन्होंने अपना पूरा जीवन देश को समर्पित किया है, ऐसे में मेरा केंद्र सरकार से आग्रह है कि उन्हें भारत रत्न से नवाजा जाए।

इसके अलावा उन्होंने इस घटना की उच्च स्तरीय जांच करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि, इस घटना में बहुत सारे सवाल हैं। इसपर एक उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

दिल्ली कैंट में जनरल रावत और उनकी पत्नी का अंतिम संस्कार किया जा रहा है। इससे पहले उनके पार्थिव शरीर के देशभर से आये तमाम लोगों ने अंतिम दर्शन किए, वहीं श्रद्धांजलि देने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, हरियाणा, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री समेत कई हस्तियां पहुंची थीं।

देश में ओमीक्रॉन के 25 मामले, पिछले 14 दिनों में 10 हजार से कम मरीज

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। देश में पिछले सप्ताह कोरोना वायरस संक्रमण की सकारात्मकता दर 0.73 फीसदी रही और पिछले 14 दिनों में संक्रमण के 10 हजार से भी कम मामले सामने आए। देश के कुल सक्रिय मरीजों में से 43 फीसदी केरल में हैं। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने शुक्रवार को एक प्रेसवार्ता में दी।

इस दौरान लव अग्रवाल ने देश में कोरोना के नए ओमीक्रॉन वैरिएंट की स्थिति पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत में अब तक ओमीक्रॉन वैरिएंट से संक्रमण के कुल 25 मामले सामने आए हैं। इन सभी मरीजों में हल्के लक्षण देखने को मिले हैं। यह कोरोना वायरस को सभी ज्ञात वैरिएंट के मुकाबले 0.04 फीसदी से भी कम है। अग्रवाल ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि जन स्वास्थ्य के मानकों का टीकाकरण के बाद भी लगातार पालन किया जाना चाहिए। बचाव के लिए उपयुक्त कदम उठाने होंगे। डब्ल्यूएचओ ने कहा, अगर किसी कारण से जन स्वास्थ्य के मानकों में ढील आती है तो यूरोप में संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं।

वहीं, प्रेसवार्ता में मौजूद रहे आईसीएमआर के महानिदेशक बलराम भार्गव ने कहा कि ओमीक्रॉन को लेकर भारत और वैश्विक स्थिति पर नजर रखी जा रही है और बैठकें की जा रही हैं। हमें अफरा-तफरी से बचने के लिए मदद की जरूरत है। जहां सकारात्मकता दर पांच फीसदी से ज्यादा है वहां जिला स्तर पर प्रतिबंध लगाने चाहिए।

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल ने कहा कि जहां तक सुरक्षा क्षमताओं का सवाल है तो इस समय हम खतरनाक और अस्वीकार्य स्तर पर काम कर रहे हैं। मास्क का उपयोग लगातार घटता जा रहा है। हमें यह याद रखना होगा कि टीका और मास्क दोनों ही जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि हमें वैश्विक हालात से सबक लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि निगरानी, प्रभावी स्क्रीनिंग, अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की निगरानी और स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने का काम किया जा रहा है। राज्यों से कहा गया है कि सर्विलांस को बढ़ाएं और बाहरी देशों से आने वाले हर यात्री की सक्रिय रूप से जांच करें। ओमिक्रॉन को कहीं अधिक संक्रामक वैरिएंट माना जा रहा है।

संयुक्त स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि 24 नवंबर तक केवल दो देशों में ओमीक्रॉन से संक्रमण के मामले सामने आए थे। अब ऐसे देशों की संख्या 59 हो चुकी है। इन 59 देशों में अभी तक ओमीक्रॉन के 2936 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा 78,054 संभावित मामले भी सामने आए हैं, जिनकी जीनोम सीक्वेंसिंग की जा रही है।

गोवा में कांग्रेस सरकार बनी तो महिलाओं को 30 फीसदी आरक्षण : प्रियंका

पणजी, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को वादा किया कि यदि गोवा के आगामी चुनाव में उनकी पार्टी सत्ता में आई तो महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा।

गोवा में सियासी जमीन बनाने में जुटी आम आदमी पार्टी पर परोक्ष निशाना साधते हुए प्रियंका गांधी ने गोवा की जनता से कहा कि वह राज्य में बाहर से आने वाले 'नए दलों' से सतर्क रहे। गोवा की चुनावी राजनीति में बड़ी भूमिका पाने का प्रयास कर रही आप की आलोचना करते हुए कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की जिम्मेदार है, जहां अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली यह पार्टी सत्तारूढ़ है।

शुक्रवार को एक दिनी गोवा यात्रा के दौरान प्रियंका गांधी ने क्वयूपेम विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले मोरपीरला विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। वहां उन्होंने आदिवासी महिलाओं से चर्चा की। प्रियंका ने आदिवासी महिलाओं के साथ उनका परंपरागत नृत्य भी किया।

प्रियंका गांधी ने कहा कि गोवा के वोटरों को संक्षिप्त संबोधन में कहा कि जब आप इस बार वोट डालें तो अपने खुद के, अपने राज्य के और अपने परिवार के बारे में विचार करें।

उन्होंने कहा कि यहां कई पार्टियां बाहर से आएंगी। इन दिनों नई पार्टियां यहां आ रही हैं।

कांग्रेस महासचिव ने जनता से कहा कि इन दलों को वोट देने के पहले देखें कि उन्होंने जहां वो सत्ता में हैं, वहां क्या किया है? क्या वहां उन्होंने कोई विकास किया है? दिल्ली में इतना प्रदूषण है कि आप वहां सांस तक नहीं ले सकते। प्रियंका गांधी ने कहा कि सिर्फ कांग्रेस ही है जो आपके लिए काम करेगी। गोवा में कांग्रेस सत्ता में आएगी तो वह 30 फीसदी सरकारी नौकरियां महिलाओं के लिए आरक्षित कर देगी। उन्होंने यह भी कहा कि विकास व पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन कायम रखा जाना चाहिए।

आंदोलन के दौरान पुलिस की कार्रवाई की वजह से नहीं गई किसी किसान की जान : केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि किसानों के करीब साल भर चले आंदोलन के दौरान पुलिस की कार्रवाई की वजह से किसी किसान की मौत नहीं हुई। किसानों के विभिन्न संगठन केंद्र सरकार की ओर से लाए गए तीन कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे। इन कानूनों को हाल ही में वापस ले लिया गया है। वहीं, संयुक्त किसान मोर्चा ने गुरुवार को इस आंदोलन के समापन का एलान किया था।

आंदोलन को समाप्त करने का फैसला केंद्र सरकार की ओर से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी मामलों की वापसी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों की लंबित मांगों को स्वीकार करने के बाद लिया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले किसानों के परिजनों के लिए मुआवजे का मुद्दा राज्यों से संबंधित है।

एक सवाल के लिखित उत्तर में तोमर ने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान किसी भी किसान की मौत पुलिस की कार्रवाई की वजह से नहीं हुई। वह कांग्रेस नेता धीरज प्रसाद साहू और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह के संयुक्त प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। बता दें कि कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी पार्टियां इस आंदोलन के दौरान किसानों की मौत का मामला लंबे समय से उठाते चले आ रहे हैं।

वहीं, एमएसपी को लेकर तोमर ने कहा कि शून्य बजट की कृषि को प्रोत्साहन देने, देश की जरूरत के अनुसार फसलों के चक्र को बदलने और और एमएसपी को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने के लिए एक समिति के गठन पर विचार किया जा रहा है। केंद्र कृषि लागत और मूल्य आयोग की सिफारिशों के आधार पर 22 अनिवार्य फसलों और गन्ने के उचित लाभकारी मूल्य के लिए एमएसपी तय करता है।

केंद्र की ओर से लाए गए तीन कृषि कानूनों के विरोध में हजारों किसान नवंबर 2020 से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की सीमाओं पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। इन किसानों में मुख्यत: पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के थे। 29 नवंबर को संसद ने इन कानूनों की वापसी के लिए एक विधेयक पारित किया था। यह आंदोलन संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में हुआ जिसके साथ 40 किसान संगठन जुड़े हैं।

भारतीय वास्तुकार बालकृष्ण दोशी को ब्रिटेन का रॉयल गोल्ड मेडल 2022, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। भारतीय वास्तुकार बालकृष्ण दोशी को ब्रिटेन का रॉयल गोल्ड मेडल 2022 के लिए चुना गया है। इस सम्मान के लिए चुने जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर उन्हें बधाई दी। पीएम ने कहा कि वास्तुकला की दुनिया में दोशी का योगदान यादगार है।

रॉयल गोल्ड मेडल वास्तुकला के लिए दुनिया के सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रिटिश आर्किटेक्ट्स (आरआईबीए) ने घोषणा की। मोदी ने ट्वीट किया, 'प्रतिष्ठित वास्तुकार बालकृष्ण दोशी जी से बात की और उन्हें रॉयल गोल्ड मेडल 2022 से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी।' प्रधानमंत्री ने कहा कि वास्तुकला की दुनिया में उनका योगदान ऐतिहासिक है। उनके कार्यों को उनकी रचनात्मकता, विशिष्टता और विविध प्रकृति के लिए विश्व स्तर पर सराहा जाता है।

आरआईबीए ने गुरुवार को दोशी को सम्मानित किए जाने का एलान करते हुए कहा कि 70 साल के करियर और 100 से अधिक निर्मित परियोजनाओं के साथ, 94 वर्षीय दोशी ने अपने अभ्यास और अपने शिक्षण दोनों के माध्यम से भारत और उसके क्षेत्र के क्षेत्रों में वास्तुकला की दिशा को प्रभावित किया है। रॉयल गोल्ड मेडल को व्यक्तिगत रूप से महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा स्वीकृत किया जाता है। इसे ऐसे व्यक्ति या लोगों के समूह को दिया जाता है, जिनका वास्तुकला के विकास में महत्वपूर्ण योगदान हो।

1927 में पुणे में फर्नीचर निर्माताओं के एक बड़े परिवार में जन्मे बालकृष्ण दोशी ने जेजे स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर में अध्ययन किया था। उन्होंने पेरिस में वरिष्ठ डिजाइनर (1951-54) के रूप में जेले कॉर्बूसियर के साथ चार साल तक काम किया था।

दोशी ने वास्तुविद लुई कान के साथ भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के निर्माण के लिए एक सहयोगी के रूप में काम किया। उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक कान के साथ सहयोग किया।

कोरोना के समय घर में बैठ ट्वीट-ट्वीट खेल रहे थे बुआ-बबुआ: दिनेश शर्मा

बलिया, 10 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश व प्रदेश तेजी के साथ विकसित हो रहा है। वर्ष 2017 में राहुल-अखिलेश तथा वर्ष 2019 में बुआ-बबुआ का गठबंधन पूरी तरह फेल हो चुका है। आने वाले चुनाव में अब इन दलों का सफाया हो जाएगा। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में राजनीति करने वाले कुछ मौसमी रामभक्त पैदा हो गये हैं।

डा. शर्मा शुक्रवार को बांसडीह इंटर कालेज परिसर में जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने साढ़े नौ करोड़ की लागत की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि कोरोनाकाल में प्रदेश में राजनीति करने वाले बुआ-बबुआ तथा युवराज घर में बैठकर ट्वीटर-ट्वीटर खेल रहे थे। जबकि मुख्यमंत्री दिन-रात लोगों के बीच घूम रहे थे। आज गांव से शहर तक 18 से 24 घंटे बिजली मिल रही है। आने वाले समय में प्रदेश में सभी को 24 घंटे बिजली मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश में साढ़े चार लाख युवकों को नौकरी व साढ़े तीन लाख को संविदा पर नौकरी दी गयी है। तीन करोड़ से अधिक को रोजगार दिया गया है। प्रदेश में 12 विश्वविद्यालय व 77 डिग्री कालेज स्थापित किये गये हैं। चार एक्सप्रेस-वे के साथ ही ग्रामीण सड़कों का निर्माण भी हो रहा है। प्रदेश सरकार की सख्ती से प्रदेश से गुंडे-माफियाओं का पलायन हो गया है। कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में पूर्वांचल की अनदेखी की गयी। अब यह क्षेत्र भी बदल रहा है। पीएम ने दो दिन पहले ही गोरखपुर में खाद कारखाना व एम्स का उद्घाटन किया। दो दिन बाद काशी में कारीडोर का उद्घाटन होने जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने 7.51 करोड़ की लागत से नौ परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 1.09 करोड़ की दो परियोजनाओं का शिलान्यास किया।बांसडीह में जनसभा के दौरान डा. शर्मा ने 7.09 करोड़ की लागत से बनी आईटीआई बांसडीह का लोकार्पण किया। इसके अलावा बड़सरी जागीर, हड़िहा कला, सुल्तानपुर, नारायणपुर, रुकुतपुरा, देवडीह, केवरा व सूर्यपुरा में बने कुल आठ हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का भी लोकार्पण किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com